Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
वर्ष : 3 अंक : 213 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, बुधवार 19 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

वास्तु गुरुजी

गृहग्राम बगिया में सुबह-सुबह खेत पहुंचे मुख्यमंत्री, बैलों के साथ हल चलाकर की बियासी

अपनी माटी और खेती-किसानी से सीएम विष्णु देव साय का आत्मीय जुड़ाव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का अपनी माटी और खेती-किसानी से गहरा जुड़ाव आज एक बार फिर देखने को मिला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज सुबह जशपुर जिले के अपने गृहग्राम बगिया में खेत पहुंचे और पारंपरिक रूप से बैलों की जोड़ी के साथ हल चलाकर बियासी की। खेत में उतरकर हल की मूठ थामे मुख्यमंत्री श्री साय सहज ही एक किसान की भूमिका में नजर आए। इस दौरान उन्होंने खेती-किसानी से जुड़ी अपनी पुरानी स्मृतियों को भी साझा किया।

मुख्यमंत्री साय ने हरे-भरे खेत में मिट्टी की सौंधी सुगंध और बैलों के साथ खेती करते हुए कहा कि अपने गांव, अपनी माटी और अपने खेत से जुड़ाव का सुख ही अलग है। हल की मूठ थामते ही खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी स्मृतियां एक बार फिर जीवंत हो उठती हैं। खेतों के बीच बिताया समय मन को असीम सुकून देने के साथ नई ऊर्जा से भर देता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से आते हैं और बचपन से खेती-किसानी को बहुत करीब से देखा और अनुभव किया है। खेती उनके लिए केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है। गांव और खेतों ने ही उन्हें श्रम का सम्मान करना, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना सिखाया है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की माटी, मेहनतकश किसानों और समृद्ध कृषि परंपराओं से जुड़ी हुई है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। पीढ़ियों से हमारे किसान अपने परिश्रम से धरती को सींचते हुए प्रदेश की समृद्धि की नींव मजबूत करते आए हैं। छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहार, परंपराएं और ग्रामीण जीवन भी कृषि से गहराई से जुड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में भी अपनी परंपराओं और जड़ों से जुड़ाव बनाए रखना महत्वपूर्ण है। खेती हमें परिश्रम, धैर्य और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है। किसान खेत में केवल फसल नहीं उगाता, बल्कि अपने श्रम से पूरे समाज के जीवन और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी संबल देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी, हमारी समृद्ध कृषि परंपरा और हमारे मेहनतकश अन्नदाता किसान सदैव उनके हृदय के सबसे करीब हैं। किसानों की खुशहाली और कृषि की समृद्धि ही प्रदेश की समृद्धि का मजबूत आधार है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अन्नदाता किसानों के परिश्रम को नमन करते हुए उनके जीवन में खुशहाली तथा खेतों में भरपूर फसल की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जीवन ग्रामीण परिवेश और खेती-किसानी से गहराई से जुड़ा रहा है। सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच जब भी उन्हें अवसर मिलता है, वे अपने गांव, खेत और ग्रामीण परिवेश से जुड़कर आत्मीयता का अनुभव करते हैं। आज सुबह गृहग्राम बगिया के खेत में बैलों के साथ हल चलाते मुख्यमंत्री की सहजता में अपनी माटी और कृषि परंपरा के प्रति उनका यही गहरा लगाव दिखाई दिया।

श्रमिक परिवारों के पांच बच्चों ने रचा सफलता का नया अध्याय

रायपुर। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना' मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को बड़े और प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक की गुणवत्तापूर्ण व निःशुल्क शिक्षा देने के लिए चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत सुकमा जिले के पांच प्रतिभावान बच्चों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से जिले का नाम रोशन किया है। वर्ष 2025-26 के लिए इन बच्चों का अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत मेरिट के आधार पर चयन हुआ है। चयन के बाद बच्चों ने कलेक्टर सुकमा श्री अमित कुमार से मुलाकात की। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय बातचीत की और उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना है। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के माध्यम से श्रमिक परिवारों के मेधावी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

मोदी सरकार का आतंकवाद पर वारः शहज़ाद भट्टी का नेटवर्क ध्वस्त, 14 राज्यों से 200+ आतंकी दबोचे गए

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पूर्व ISI समर्थित शहज़ाद भट्टी आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया है। 14 राज्यों में समन्वित अभियानों के तहत 200 से अधिक ऑपरेटिव्स की गिरफ्तारी से भारत में बड़े विध्वंसक हमलों की साजिशों को सफलतापूर्वक नाकाम किया गया है, जो आतंकवाद के खिलाफ सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। इस बड़ी कार्रवाई से देश की राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान स्थित शहज़ाद भट्टी आतंकी नेटवर्क को खत्म कर दिया है और स्वतंत्रता दिवस से पहले विध्वंसक हमलों की साजिशों को नाकाम कर दिया है। शाह ने 'ङ्क' पर एक पोस्ट में कहा कि 14 राज्यों में चलाए गए समन्वित अभियानों के दौरान इस नेटवर्क से जुड़े 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि ये अभियान आतंकवाद के प्रति सरकार की 'ज़ीरो-टॉलरेंस' नीति का हिस्सा थे और इनका मकसद नेटवर्क द्वारा रची गई हमलों की साजिशों को रोकना था।

शाह ने कहा कि भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर समन्वित अभियान चलाकर इस नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। गृह मंत्री के अनुसार, अभियानों के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामग्री बरामद की। बरामद सामान में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस , पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले CCTV कैमरे शामिल थे। शाह ने कहा कि इस नेटवर्क को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस का समर्थन हासिल था और यह भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। शाहज़ाद भट्टी नेटवर्क की जांच कई सुरक्षा एजेंसियां ??कर रही हैं। उन पर कथित तौर पर आतंकी भर्ती, कट्टरपंथ को बढ़ावा देने, हथियारों की तस्करी और हमलों में शामिल होने के आरोप हैं।

पीएम का नई बीजेपी टीम पर पूरा भरोसा, बोले- संगठन और जनसेवा पर दें ध्यान

नई दिल्ली। भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में बड़े संगठनात्मक बदलावों की घोषणा की, जिसमें नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति शामिल है। इस नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और स्मृति ईरानी व बिप्लब कुमार देब जैसे नेता राष्ट्रीय महासचिवों के रूप में शामिल किए गए हैं, जो पार्टी को नई गति प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नए नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई दी और भरोसा जताया कि नई टीम संगठन को मज़बूत करेगी और जनसेवा पर ध्यान देगी। X पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि BJP के नए नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में अलग-अलग ज़िम्मेदारियाँ पाने वाले सभी लोगों को बधाई। यह नई टीम संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और ज़मीनी स्तर पर लोगों से जुड़ाव का संगम है। मुझे भरोसा है कि वे हमारी पार्टी को मज़बूत करने और जनसेवा पर ध्यान देने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। उन्हें मेरी शुभकामनाएँ। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम में नव-नियुक्त सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। अनुभव और ऊर्जा के मेल से बनी यह टीम, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी।

SHORT NEWS

मंत्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रपति मेडल से सम्मानित पुलिस अधिकारियों को दी बधाई

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित प्रदेश के सभी 11 पुलिस अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति मेडल से सम्मानित होना पुलिस अधिकारियों की उत्कृष्ट सेवा, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और अदम्य साहस का सम्मान है। इन अधिकारियों ने अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए प्रदेश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विशेष रूप से बिलासपुर आईजी श्री राम गोपाल गर्ग जी एवं रायगढ़ एसपी श्री शशि मोहन जी को इस गौरवपूर्ण सम्मान के लिए विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों अधिकारियों की उत्कृष्ट सेवाएं और नेतृत्व पुलिस विभाग के लिए प्रेरणादायी हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सभी पदक प्राप्त अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका समर्पण और सेवा भावना प्रदेश के पुलिस बल के अन्य जवानों एवं अधिकारियों को भी राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 18 ट्रेनें कैंसिलः 25 सितंबर से 14 अक्टूबर तक नहीं चलेंगी गाड़ियां

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 18 एक्सप्रेस ट्रेनों को 25 सितंबर से 14 अक्टूबर 2026 तक कैंसिल कर दिया गया है। इसके अलावा उत्कल एक्सप्रेस अलग-अलग तारीखों पर बदले रूट से चलेगी, जबकि 13 अक्टूबर को गीतांजलि एक्सप्रेस 2 घंटे की देरी से रवाना होगी। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में काम होगा।

रद्द होने वाली गाड़ियों में इतवारी-टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस, टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस, नांदेड़-सांतरागाछी एक्सप्रेस, हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस, हावड़ा-ष्टस्रूज्ञ दुरंतो एक्सप्रेस समेत 18 ट्रेनें शामिल हैं। इन एक्सप्रेस ट्रेनों के कैंसिल होने से झारखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार जाने यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

रेलवे प्रशासन ने बताया कि दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में बंडामुंडा केबिन-ए से राउरकेला सेक्शन के बीच पांचवीं लाइन की कमीशनिंग का काम किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग चरणों में नॉन-इंटरलॉकिंग काम और ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा।

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज हुई आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने तथा विभिन्न विभागों और संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई। एक्सरसाइज के दौरान बाढ़ प्रबंधन नीतियों, एवं बाढ़ के दौरान प्रभावितों को त्वरित सहायता पहुंचाना, मौसम विज्ञान

और जल संसाधन विभाग का आवश्यक समन्वय, बाढ़ की स्थिति में निगरानी, चेतावनी एवं सार्वजनिक सूचना प्रणाली के माध्यम से डाऊन स्ट्रीन के गांवों को पहले से सचेत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी तरह से बाढ़ आपदा के समय एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, नगर सेना एवं अन्य बचाव दलों में आपसी समन्वय पर चर्चा हुई। बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत कैंप की व्यवस्था एवं प्रभावितों के लिए जरूरी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के लिए मेडिकल टीम की तैयारियों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी साझा की गई।

बैठक में सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन,शम्मी आबिदी ने कहा कि आपदा की स्थिति में फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले सभी कर्मियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों की स्पष्ट जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच समन्वय में किसी भी प्रकार की कमी या गैप को समय रहते दूर किया जाए तथा प्रत्येक विभाग अपनी भूमिका को स्पष्ट रूप से समझते हुए प्रभावी ढंग से कार्य कर सके, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

रूपकुमारी बोलीं- महिलाओं के लिए ग्राउंड लेवल तक काम करेंगे

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय संगठन में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 17 अगस्त 2026 को नई टीम की घोषणा कर दी है। इसमें कुल 65 पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं।

BJP की नई टीम में छत्तीसगढ़ को भी महत्वपूर्ण जगह मिली है। सांसद रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं दीपक म्हस्के को राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि पूरी प्लानिंग के साथ कार्ययोजना बना कर ग्राउंड लेवल तक काम करेंगे। वहीं दीपक म्हस्के ने कहा कि भविष्य में जो भी रणनीति बनेगी, सोशल मीडिया के लिए जो भी भूमिका तय होगी, उसमें हमारी टीम पूरी तरह से खरी साबित होगी।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के प्रयासों से कोरबा के विकास कार्यों को मिली 5.44 करोड़ की सौगात

रायपुर। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं कोरबा विधायक लखन लाल देवांगन के सशक्त नेतृत्व में कोरबा नगर में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के संकल्प के साथ जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से 31 विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5.44 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। स्वीकृत कार्यों के तहत नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण सहित आवश्यक मूलभूत विकास कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों से वार्डों एवं मोहल्लों में आवागमन सुगम होने के साथ ही बारिश के दौरान जल निकासी की समस्या से भी राहत मिलेगी।

इन विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

वार्ड क्रमांक 05, लवली केयर स्कूल से काली मंदिर चौक तक एवं संजय जायसवाल के घर के सामने स्थित नाला निर्माण कार्य लागत 20 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 11 अंतर्गत संजय नगर में फल वाला मिश्रा जी घर से लेकर टावर तक सीसी रोड व ढक्कन नाली निर्माण कार्य लागत 15 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 08, मोती सागर पारा गायत्री विहार बस्ती में सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 9 अंतर्गत वायरलेस ऑफिस सुशील दास, बिर्जेश, कुलदीप यादव गली में सीसी रोड पर नाली निर्माण कार्य लागत 20 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 10 अंतर्गत इमली डुग्गू मनबोध टांडे घर से राहुल शुक्ला के घर तक सीसी रोड बनने वाली निर्माण कार्य लागत 20 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 12 अंतर्गत नई बस्ती में रानी धनराज कुमार विश्वास केंद्र से साजन अग्रवाल घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक सात अंतर्गत मांझी मोहल्ला में जरीफ अहमद घर से अजलू घर तक व शिव मंदिर से अजय सहित घर तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य लागत 19.50 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 14 अंतर्गत एलआईजी 51 से अटल आवास नवधा पंडाल तक व एमआईजी 25 से एमआईजी 41 तक सीसी रोड व अटल आवास अन्नपूर्णा श्वास घर से नाली तक नाली निर्माण कार्य लागत 15 लाख रूपए आदि की स्वीकृति हुई है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी के नाम पर डुप्लीकेट तेल बेचने वाले तीन दुकान गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा । कंपनी के नाम पर डुप्लीकेट सामान की बिक्री के संबंध में लगातार प्राप्त हो रही थी इस संबंध में जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के द्वारा अवैध कार्य करने वालों के विरुद्ध वैदिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे आदेश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. यूलैंडन यार्क, नगर पुलिस अधीक्षक जांजगीर योगिता बाली खापर्डे के निर्देशन में तथा थाना सिटी कोतवाली और चाम्पा पुलिस द्वारा एक-एक टीम बनाकर क्षेत्र में नकली एवं डुप्लीकेट उत्पादों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी के नाम पर डुप्लीकेट तेल बेचने की शिकायत पर पुलिस टीम द्वारा दुकानों में रेड कार्यवाही की गई। पुलिस टीम द्वारा कोतवाली और चाम्पा के संदिग्ध दुकानों की जांच के दौरान तीन दुकान संचालकों के कब्जे से हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी के नाम/पैकिंग में डुप्लीकेट तेल एवं संबंधित सामग्री जिनकी कीमत 2 लाख 50 हजार बरामद कर जप्त की गई। बरामद सामग्री के संबंध में दस्तावेज एवं बिक्री संबंधी जानकारी की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया कंपनी के अधिकृत उत्पाद के नाम का दुरुपयोग कर ग्राहकों को डुप्लीकेट तेल बेचे जाने की जानकारी सामने आई है। मामले में संबंधित दोनों दुकान संचालकों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा जप्त सामग्री की जांच एवं सत्यापन कराया जा रहा है। जांजगीर पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार के नकली अथवा डुप्लीकेट उत्पाद की बिक्री की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस द्वारा ऐसे मामलों में आगे भी लगातार जांच एवं कार्रवाई जारी रखी जाएगी।निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी सिटी कोतवाली, निरीक्षक अशोक वैष्णव थाना चाम्पा,उप निरीक्षक उमेन्द्र मिश्रा, प्रशिक्षु उप निरीक्षक चंद्रवंशी, उप निरीक्षक भवानी सिंह चौहान, सहायक उप निरीक्षक अरुण कुमारी मुकेश कुमार पांडेय, प्रधान आरक्षक राकेश तिवारी, प्रकाश चंद्र राठौर आरक्षक प्रकाश राठौर, आरक्षक संतुका, विनोद राठौर का विशेष योगदान रहा

बुजुर्ग किसान से दिनदहाड़े 20 हजार की झपटमारी, सीसीटीवी से पकड़ा गया आरोपी

बलौदाबाजार । सिटी कोतवाली पुलिस ने सब्जी बाजार में बुजुर्ग किसान से दिनदहाड़े 20 हजार रुपए की झपटमारी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर की। आरोपी के कब्जे से झपटमारी की रकम में से 2,200 रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 23 जून 2026 को रसेड़ी निवासी 60 वर्षीय धरम ध्रुव ने सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जिला सहकारी कृषि मर्यादित बैंक, बलौदाबाजार से 21 हजार रुपए निकालकर वे सब्जी बाजार पहुंचे थे। एक हजार रुपए जेब में रखने के बाद शेष 20 हजार रुपए 500-500 रुपए के नोटों में कपड़े के थैले में बैंक पासबुक के साथ रखे थे। दोपहर करीब 12.15 बजे सब्जी खरीदते समय एक अज्ञात व्यक्ति झपट्टा मारकर थैले से 20 हजार रुपए निकालकर फरार हो गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध व्यक्ति थैला लेकर भागता दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर उसकी तलाश की जा रही थी। 17 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि सीसीटीवी में दिख रहा संदिग्ध भाटापारा में देखा गया है।

टाउन हॉल में छायाचित्र प्रदर्शनी देखने उमड़ी भीड़, एआई तकनीक से विरासत और पर्यटन का अभिनव अनुभव

रायपुर । राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। आज भी विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने उत्साह के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान, वीर सेनानियों के संघर्ष और बलिदान, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा तथा राज्य की विकास और सुशासन यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। एआई तकनीक से विरासत और पर्यटन का अभिनव अनुभव, क्विज से परख रहे

छत्तीसगढ़ संबंधी ज्ञान प्रदर्शनी में एआई तकनीक से विरासत और पर्यटन का अभिनव अनुभव लोगों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। इस पहल के माध्यम से आगंतुक छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की पृष्ठभूमि के साथ अपनी डिजिटल तस्वीर तैयार करा सकते हैं। आधुनिक तकनीक और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यटन विरासत के इस संगम को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

इसके साथ ही प्रदर्शनी परिसर में छत्तीसगढ़ से संबंधित क्विज कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है। इसमें आगंतुक छत्तीसगढ़ के इतिहास, संस्कृति, परंपरा, पर्यटन और विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े प्रश्नों में भाग लेकर अपने ज्ञान का आकलन कर सकते हैं। क्विज के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ लोगों को छत्तीसगढ़ के बारे में अधिक जानने और अपनी जानकारी परखने का अवसर मिल रहा है। विद्यार्थियों और युवाओं में इस ज्ञानवर्धक गतिविधि को लेकर विशेष उत्सुकता देखी जा रही है।

इतिहास को तस्वीरों के माध्यम से जानने का अवसर प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े दुर्लभ छायाचित्र, ऐतिहासिक दस्तावेज और महत्वपूर्ण प्रसंग प्रदर्शित किए गए हैं। छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जननायकों और अमर बलिदानियों के योगदान को विशेष स्थान दिया गया है। महात्मा गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास तथा प्रदेश में हुए सामाजिक एवं राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं।

धान की पारंपरिक खेती छोड़ सब्जी उत्पादन से गढ़ी सफलता की नई इबारत

रायपुर । ड्रिप सिंचाई (टपका सिंचाई) तकनीक ने आधुनिक खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति और तकदीर को पूरी तरह बदल दिया है। छत्तीसगढ़ के किसानों ने पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर इस आधुनिक प्रणाली के जरिए सब्जियों और फलों की खेती में बंपर मुनाफा कमाया है। ?कहते हैं कि अगर सही मार्गदर्शन और आधुनिक तकनीक का साथ मिल जाए, तो खेती घाटे का सौदा नहीं बल्कि आर्थिक समृद्धि का जरिया बन सकती है। इसे सच कर दिखाया है नारायणपुर विकासखण्ड के सुदूर ग्राम तारागांव निवासी कृषक हरीशचन्द्र पिता श्री भादूराम ने। कभी सीमित आमदनी और पारंपरिक धान की खेती से जूझने वाले हरीशचन्द्र आज क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं। पारंपरिक खेती का संघर्ष और बदलाव की सोच पहले हरीशचन्द्र मुख्य रूप से धान की पारंपरिक खेती पर निर्भर थे।

कांवड़ यात्रा से नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति से जोड़ना हमारा उद्देश्य : शिवरतन शर्मा

भाटापारा । भाजपा वरिष्ठ नेता छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा ने सावन माह के तृतीय सोमवार को माँ मावली माता मंदिर, सिंगारपुर में माँ मावली देवी और महादेव जी की पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना की और सिंगारपुर से धूमनाथ महादेव मंदिर, रामपुर तक कांवड़ यात्रा के लिए प्रस्थान किया।

इस दौरान सभी कांवड़ यात्री शिवरतन शर्मा के साथ उनकी इस यात्रा में सहभागी बनें हैं। यह यात्रा सिंगारपुर, सेम्हराडीह, निपनिया, भोथीडीह, खपरी, सिलवा,पथरिया, पासीद होकर रामपुर पहुंची.. जहा मार्ग पर ग्रामवासीयों ने यात्रा का पुष्प वर्षा एवं पूजा पाठ कर स्वागत किया...

इस अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि हमारे प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के

संकल्प यात्रा में सहभागी बनें सभी कांवड़ यात्रियों, भक्तजनों और विधानसभा के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मैं आभार व्यक्त करता हूँ। इस यात्रा में शामिल सभी का उत्साह एवं भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और विश्वास एक नई उर्जा देने वाला है। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, पर्यावरण प्रेम और हमारी संस्कृति से जुड़ी एक महत्वपूर्ण रीति भी है।

इस अवसर पर राकेश तिवारी, अश्वनी शर्मा, सुनील यदु, श्रीकांत जायसवाल, अविनाश शर्मा, मथुरा यदु, पवन वर्मा , भोला वर्मा, राजेश पटेल, खुमान वर्मा, सुरेश वर्मा, ठाकुर राम साहू, देवक साहू, राजा कामनानी, जीवन वर्मा, मनोज महाराज, चेतन वर्मा, धनीराम साहू, प्यारे रजक, दिनेश वर्मा, लक्ष्मी नारायण शर्मा, बृजेश निषाद, टिक्की वर्मा, आशीष टोडर, पीयूष साहू, सतीश साहू, सुरेंद्र डागोर, संदीप वर्मा, पीलू वर्मा, मालिक राम साहू, सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्त्ता, जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भोलापुर में आंगनबाड़ी के बच्चियों का मनमोहक प्रस्तुति

छुरिया । विकासखण्ड के ग्राम भोलापुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में 80 वा स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती दीपिका पांडे के बच्चों के द्वारा बहुत ही शानदार मनमोहक प्रस्तुति दिया गया। इन आंगनबाड़ी के प्यारी बच्चियों ने दर्शकों का मन मोह लिया जिसका दशकों में तालिया के गड़गड़ाहट के साथ उन बच्चों का हौसला बढ़ाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता छत्तीसगढ़ महतारी और महात्मा गांधी के तेल चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर की गई इसके बाद ध्वजारोहण किया गया ।राष्ट्रगान और राजकीय गीत के साथ उपस्थित अतिथियों पालकगण ,शिक्षक गणऔर बच्चों ने तिरंगे को सलामी दी ग्राम के सरपंच श्रीमती चमेली बाई ठाकुर ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दिए । उन्होंने देश की एकता अखंडता और विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। शिशुपाल साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने सभी बच्चों को स्वच्छ और साफ सफाई में ध्यान देने कहा ।

विधायक भोलाराम साहू ने विभिन्न जगहों पर किया ध्वजारोहण , प्रतिभावान छात्र छात्राओ का किया सम्मानित

छुरिया । देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी में स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह में खुज्जी विधायक भोलाराम साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए । नगर के विभिन्न प्रमुख चौकों पर विधायक साहू ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी तथा क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। विधायक भोलाराम साहू ने राजीव गांधी चौक, राजा भीष्म देव शाह चौक, महात्मा गांधी चौक, अंबेडकर चौक एवं लालकिला चौक में ध्वजारोहण किया। इस दौरान राष्ट्रगान एवं देशभक्ति के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। स्कूली बच्चों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक स्वतंत्रता दिवस समारोह में सहभागिता की।इस अवसर पर विधायक साहू ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व

न्यौछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी, उपाध्यक्ष पवन गुप्ता, पार्षद रितेश मेश्राम, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंबागढ़ चौकी अध्यक्ष मुकेश सिन्हा, पार्षद गोपी चंदा, खेदी बाई अमिला, जनपद पंचायत अध्यक्ष पुसउ फूलकोरे, श्याम लाटा, विकास लौत्रे, किशोर यादव, पुष्पेंद्र यादव, मोन्टी खंडेलवाल, अखिलेश लाल, संदीप दुबे, विनीत शर्मा, अमर खोब्रागड़े, राजू दुबे, संघमित्रा धारगावे, बीईओ एस.के. धीवर सहित जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों तक न्याय पहुंचाने में पैरा लीगल वालंटियर्स की अहम भूमिका, प्रशिक्षण में बताए दायित्व

बलौदाबाजार । प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष विनीता वार्नर के मार्गदर्शन में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में पैरा लीगल वालंटियर्स (पीएलवी) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पीएलवी को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक और सक्षम बनाकर आम नागरिकों तक नि:शुल्क विधिक सहायता की पहुंच को प्रभावी बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान पीएलवी को बताया गया कि उनका प्रमुख दायित्व गरीब, कमजोर और जरूरतमंद लोगों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देना तथा आवश्यकतानुसार उन्हें संबंधित विधिक सेवा संस्थाओं तक पहुंचाना है। पात्र व्यक्तियों को नि:शुल्क अधिवक्ता की सुविधा की जानकारी देने और आवेदन में सहयोग

करने के साथ ही सरकारी एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

पीएलवी को महिला, बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांगों सहित कमजोर वर्गों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने, पुलिस थाना, जेल, अस्पताल और आश्रय गृह जैसे स्थानों पर जरूरतमंद लोगों की विधिक सहायता संबंधी समस्याओं की पहचान करने तथा अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में उचित विधिक सेवा संस्था तक पहुंचाने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में लोक अदालत, मध्यस्थता और समझौते के माध्यम से विवादों के समाधान के लिए लोगों को जागरूक करने तथा कानूनी जागरूकता शिविरों में सहयोग करने की जिम्मेदारी भी समझाई गई। पीएलवी को स्पष्ट किया गया कि वे स्वयं किसी मामले में कानूनी राय या न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में पैरवी नहीं कर सकते, जब तक कि वे विधि के अनुसार अधिकृत अधिवक्ता न हों।

कार्यक्रम में राजस्व, पुलिस एवं विधि विभाग के अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने विभागीय जानकारी साझा करते हुए पीएलवी को उनके दायित्वों के निर्वहन के लिए मार्गदर्शन दिया। अधिकारियों ने समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों तक विधिक सहायता पहुंचाने के लिए उन्हें प्रेरित किया। प्रशिक्षण में प्राप्त शिकायतों और किए गए कार्यों का रिकॉर्ड संबंधित विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में नि:शुल्क विधिक सहायता और न्याय की पहुंच को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पीएलवी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया।

डिवाइडर की कटिंग बनी दुर्घटनाओं का सबब, बलौदाबाजार-लवन मार्ग पर फिर भिड़ीं दो कारें

बलौदाबाजार । शहर के प्रमुख मार्गों पर बने डिवाइडरों और उनकी अनियोजित कटिंग्स को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सोमवार को बलौदाबाजार-लवन मार्ग पर एक बार फिर सड़क हादसा हो गया। दुर्गा कैरियर के पास दो कारों की जोरदार भिड़ंत में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात रही कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि एक कार डिवाइडर की कटिंग से दूसरी ओर जा रही थी, इसी दौरान लवन मार्ग की ओर से आ रही दूसरी कार से उसकी टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। लगातार सामने आ रहे हादसे, फिर भी व्यवस्था में सुधार नहीं यह दुर्घटना शहर में डिवाइडर की कटिंग को लेकर पहले से उठ रहे सवालों को और गंभीर बनाती है। इससे पहले

रायपुर रोड पर भारत पेट्रोल पंप के पास डिवाइडर की कटिंग के समीप ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया था, जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हुआ था। वहीं कोतवाली थाना के सामने डिवाइडर के पास स्कूल बस और कार की टक्कर तथा गार्डन चौक पर डिवाइडर पार करते समय दो कारों की भिड़ंत की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भाटापारा रोड, रायपुर रोड, लवन रोड और शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर डिवाइडरों में बनाई गई कई कटिंग दुर्घटना संभावित स्थल बन चुकी हैं। इन स्थानों पर वाहन चालकों को अचानक सामने आने वाले वाहनों का अंदाजा नहीं लग पाता, जिसके चलते आए दिन टक्कर की घटनाएं सामने आ रही हैं। बिना समुचित यातायात अध्ययन के कटिंग पर सवाल शहरवासियों का कहना है कि डिवाइडर और उनकी कटिंग का निर्धारण वाहन दबाव, सड़क की चौड़ाई, यातायात प्रवाह, दृश्यता और दुर्घटना के आंकड़ों का वैज्ञानिक अध्ययन करने के बाद किया जाना चाहिए। इसके बावजूद यदि कटिंग मनमाने तरीके से बनाई या छोड़ी जाती हैं तो यातायात सुधार की बजाय वे स्वयं दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद डिवाइडरों की कटिंग को लेकर प्रभावी सुधार नहीं होना प्रशासन और यातायात व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल खड़े कर रहा है।

महिलाएं हुनर में दक्ष होकर स्वावलंबी बनें, यही शासन की मंशा : अशोक जैन

बलौदाबाजार। ग्रामोद्योग संचालनालय, हाथकरघा प्रभाग की स्वीकृति के तहत स्थानीय देवांगन समाज भवन में नवीन कपड़ा बुनाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने पूजा-अर्चना कर किया। प्रशिक्षण का आयोजन समग्र हाथकरघा विकास योजना के अंतर्गत किया जा रहा है।

इस अवसर पर नपाध्यक्ष अशोक जैन ने प्रशिक्षण के लिए चयनित महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं को हर कार्य में दक्ष बनाकर उन्हें स्वावलंबी बनाना शासन की मंशा है। उन्होंने कहा कि परिवार के संचालन के लिए केवल शासकीय नौकरी ही जरूरी नहीं है, बल्कि स्वयं का रोजगार भी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और जीवन में आगे बढ़ने का माध्यम बन सकता है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाएं अपने हुनर के माध्यम से आय अर्जित कर परिवार के भरण-पोषण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगी। प्रशिक्षण के दौरान सूती धागों से कपड़ा बुनाई की विभिन्न विधियों के साथ मशीन संचालन तथा कलात्मक बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला में 20 महिलाएं चार माह तक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को कौशल विकास के साथ स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मीनाक्षी साव ने जीता वीजी मिस छत्तीसगढ़ क्वीन का खिताब

खैरागढ़ । रायपुर के गुढ़ियारी निवासी एवं इंटीरियर डिजाइनर मीनाक्षी साव ने राष्ट्रीय स्तर की सौंदर्य प्रतियोगिता वीजी मिस एन्ड मिस्टर क्वीन इण्डिया क्वीन सेसन-8 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए वीजी मिस छत्तीसगढ़ क्वीन का स्टेट टाइटल हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने वीजी क्रियेटर ऑफ स्पेसेस का सब-टाइटल भी अपने नाम किया। दिल्ली में 4 से 8 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रारंभिक ऑडिशन में 95 प्रतिभागियों के बीच चयन के बाद मीनाक्षी ने राष्ट्रीय स्तर के फिनाले में 54 प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा की। प्रतियोगिता के विभिन्न राउंड में उन्होंने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। वारियर राउंड में 'जंगल क्वीन' का रूप प्रस्तुत

किया, जबकि टैलेंट राउंड में डांस प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। टैलेंट राउंड में मीनाक्षी ने छत्तीसगढ़ी सिद्धिपाला कोसा साड़ी और 24 कैरेट सोने की ज्वेलरी पहनकर रैंप वॉक किया और प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। मीनाक्षी स्वर्गीय बी.के. साव की बेटी हैं। उनकी सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। वह 11 अगस्त को क्राउन लेकर रायपुर लौटीं।

अबूझमाड़ की पारंपरिक स्वास्थ्य और भोजन परंपरा पर विदेशों से भी हो रहा शोध

नारायणपुर । छत्तीसगढ़ में पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा और वनौषधीय ज्ञान को संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। यह संस्था स्थानीय वैद्यों के प्रमाणीकरण, जड़ी-बूटियों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और सतत कटाई को बढ़ावा देती है।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा और वनौषधीय ज्ञान को संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा वैद्यों को प्रोत्साहित करने के साथ उनके पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित और आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विगत 14 अगस्त को नारायणपुर वनमंडल कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन आयोजित किया गया।

बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। वनमंडल अधिकारी श्री वेंकटेश एम. जी. ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। सम्मेलन में वैद्य रतन रंजन धर, कज्जाराम गोटा, रूपसिंह, सुखदेव, सोमनाथ, फूलसिंह, अमृतलाल और हरिचंद सहित अन्य वैद्यों ने पारंपरिक जड़ी-बूटियों और उपचार पद्धतियों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। वैद्यों ने नारायणपुर में वनौषधियों के संरक्षण और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर्बल गार्डन विकसित करने की मांग रखी।

बोर्ड के कंसल्टेंट श्री अमित गुप्ता ने वैद्यों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वैद्य समूहों को जड़ी-बूटियों को उच्च गुणवत्ता के साथ पीसने के लिए निःशुल्क पल्वराइजर मशीन उपलब्ध कराई जा रही है। हीलर हर्बल गार्डन योजना के तहत वैद्य अपनी बाड़ी में सामान्य रूप से उपयोग होने वाली वनौषधियों का छोटा उद्यान विकसित कर सकते हैं। इसके लिए बोर्ड आर्थिक और तकनीकी सहयोग प्रदान करता है।

मोबाइल से मिनटों में होगा नजूल पट्टा नवीनीकरण, रायगढ़ में ई-नजूल व्यवस्था लागू

रायपुर । नजूल पट्टाधारकों को सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में रायगढ़ जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिले में अब ई-नजूल व्यवस्था लागू कर दी गई है। नई व्यवस्था के माध्यम से नजूल पट्टा नवीनीकरण की प्रक्रिया को डिजिटल और सरल बनाया गया है। इससे नागरिक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से घर बैठे नजूल पट्टा नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत क्यूआर कोड स्कैन कर कुछ ही मिनटों में आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। इससे नजूल पट्टाधारकों को आवेदन जमा करने के लिए बार-बार संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी। डिजिटल प्रक्रिया के कारण आवेदन की कार्यवाही अधिक व्यवस्थित होने के साथ ही इसमें पारदर्शिता भी बढ़ेगी। ई-नजूल व्यवस्था में

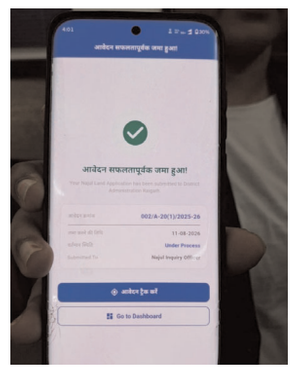

नजूल पट्टा नवीनीकरण के प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखने पर विशेष जोर दिया गया है। नजूल पट्टा नवीनीकरण की पूरी कार्यवाही 30 दिवस के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे नागरिकों को अपने प्रकरण के निराकरण के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा और नजूल संबंधी सेवाओं की डिलीवरी भी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी। नई प्रणाली के तहत आवेदन प्रक्रिया से लेकर आवश्यक दस्तावेजों एवं संबंधित प्रतिवेदनों की कार्यवाही को सुव्यवस्थित किया जाएगा। इससे प्रकरणों की निगरानी आसान होगी और निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्यवाही पूरी करने में मदद मिलेगी।

नजूल पट्टा नवीनीकरण के दौरान आवश्यक नगर निगम/नगर निवेश की अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) तथा राजस्व निरीक्षक (आरआई) का प्रतिवेदन भी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ई-नजूल व्यवस्था में इन आवश्यक कार्यवाहियों को भी अधिक सरल और व्यवस्थित तरीके से संपादित करने का प्रयास किया गया है। डिजिटल प्रणाली के माध्यम से आवेदन के विभिन्न चरणों को व्यवस्थित करने से संबंधित विभागों के बीच समन्वय बेहतर होगा तथा प्रकरणों के निराकरण में तेजी आएगी।

'कोरिया में अब तक 625.63 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कोरिया । जिले में मानसून के दौरान अब तक 625.63 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून 2026 से 17 अगस्त तक जिले में कुल 2502.50 मिलीमीटर वर्षा हुई है। विगत 10 वर्षों के आधार पर इसी अवधि में जिले की औसत वर्षा 665.08 मिलीमीटर रही है। इस लिहाज से अब तक जिले में औसत वर्षा की 94.07 प्रतिशत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से जारी वर्षा प्रतिवेदन के अनुसार, 17 अगस्त को जिले में कुल 15.30 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जबकि जिले की औसत दैनिक वर्षा 3.83 मिलीमीटर रही। पोड़ी-बचरा में आज सर्वाधिक 7.50 मिमी बारिश तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार आज पोड़ी-बचरा में सर्वाधिक 7.50 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके बाद सोनहत में 5.00 मिलीमीटर, पटना में 2.20 मिलीमीटर और बैकुंठपुर में 0.60 मिलीमीटर बारिश हुई। 1 जून से अब तक पटना तहसील में सर्वाधिक 682.00 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। बैकुंठपुर में 663.80 मिलीमीटर, सोनहत में 588.40 मिलीमीटर और पोड़ी-बचरा में 568.30 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया देशभक्ति से ओत-प्रोत नाटक, नशामुक्ति का लिया संकल्प

राजनांदगांव । ठाकुरटोला स्थित संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर ने भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी और महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर की। इसके बाद ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान और राजकीय गीत के साथ उपस्थितजनों ने तिरंगे को सलामी दी।

प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की एकता, अखंडता और विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने कविता की पंक्तियों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षक और शिक्षा की जिम्मेदारी का महत्व बताया।

इसके बाद विद्यार्थियों ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित देशभक्ति नाटक प्रस्तुत किया। नाटक में भारतीय सेना के साहस, शौर्य और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति समर्पण को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत किया।

समारोह के दौरान नशामुक्ति अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों और उपस्थितजनों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देने का संकल्प लिया।

सामाजिक प्रतिभाओं के सम्मान से युवा पीढ़ी प्रेरित होकर समाज को गौरवान्वित करती है : महापौर मधु

राजनांदगांव । सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान आवश्यक है क्योंकि, जब कोई समाज अपनी प्रतिभाओं को सम्मानित करता है, तो उनके समाज की युवा पीढ़ी इस सम्मान से प्रेरित होकर भविष्य में अपना और समाज का नाम रौशन करती है। उक्ताशय के विचार महापौर मधुसूदन यादव ने आदिवासी कंवर समाज महासभा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने आदिवासी कंवर समाज को आयोजन की बधाई देते हुए समाजिक बन्धुओं को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगॉव विधायक डॉ0 रमन सिंह जी के माध्यम से हरसंभव सहयोग प्रदान करने के अपने संकल्प को दोहराते हुए 20 लाख रू. की लागत से आदिवासी कंवर

समाज के भवन निर्माण एवं विकास हेतु घोषणा की। उल्लेखनीय है कि राजनांदगॉव शहर के वार्ड नं. 21 रेवाडीह क्षेत्र अंतर्गत स्थित आदिवासी कंवर समाज के धर्मशाला एवं प्रशिक्षण भवन में समाज द्वारा जिला स्तरीय वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । इस समारोह में राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन में अध्यक्षता कंवर समाज महासभा राजनांदगॉव के अध्यक्ष बिन्दुलाल चंद्रवंशी ने की। अन्य विशिष्ट अतिथिगण के रूप में श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगॉव, भाजपा जिलाध्यक्ष राजनांदगॉव कोमल सिंह राजपूत, प्रोफेसर डॉ. मेघराज कपूर प्रमुख मार्गदर्शक कंवर समाज, पार्षद रवि सिन्हा, पार्षद श्रीमती बीना ध्रुव, पूर्व पार्षद हरेन्द्र कंवर, रविन्द्र वैष्णव पूर्व जिला भाजपा महामंत्री, तरूण लहरवानी जिला भाजपा उपाध्यक्ष, जिला भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी उत्तम टॉक, रौनक कत्याल उपस्थित रहे।

बरसते पानी ने नहीं रोक पाया बच्चों एवं ग्रामीणों का उत्साह

छुरिया । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 15 अगस्त को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला प्रांगण कल्लूबंजारी में स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह पूर्वक धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर प्रतिभावान छात्रों एवं उत्कृष्ट शिक्षक को प्रभावशाली कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि सरपंच चित्रा कोर्राम थे, अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष रामेश्वरी मंडावी ने किया।विशेष अतिथि ग्रामपटेल राजकुमार पटेल,उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष कामता प्रसाद पटेल,उपसरपंच सुशील कुमार कंवर, पूर्व जनपद सदस्य पुष्पा सिन्हा,शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के उपाध्यक्ष नंदकुमार पटेल,संकुल प्राचार्य गौतरहीन कुंजाम एवं समस्त पंचगण थे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित शहीद वीर सपूतों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना के साथ हुआ।ध्वजारोहण सरपंच चित्रा

कोर्राम ने किया।इस अवसर पर उत्कृष्ट शिक्षक दिनेश कुमार कुरेटी द्वारा द्वारा प्रदत्त स्मृति चिन्ह एवं नगद राशि प्रदान कर तथा बैच व पुष्प माला पहनाकर आठवीं कक्षा में प्रथम स्थान के लिए उरांसी कंवर एवं ललेश्वर कुमार ताम्रकार ,द्वितीय स्थान के लिए गुंजन कुमार खिलोरिया तथा पांचवी में प्रथम स्थान के साथ नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ के लिए चयनित होने पर डिकाश कुमार कोमरे को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम के सफल संयोजन के साथ मौलिक राष्ट्रभक्ति गीत की शानदार प्रस्तुति के लिए शिक्षक दिनेश कुमार कुरेटी का पुष्पमाला पहनाकर एवं लेखनी भेंटकर सरपंच प्रतिनिधि विष्णु कोर्राम एवं उपसरपंच सुशील कुमार कंवर द्वारा सम्मानित किया गया। बरसते पानी ने बच्चों एवं ग्रामीणों के उत्साह को नहीं रोक पाया।दर्शक गण खुले आसमान के नीचे छाता एवं रैनकोट का सहारा लेकर मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया तथा अंतिम उदबोधन तक अपनी गरिमामयी उपस्थिति बनाये रखा।

मानदेय और सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

तिल्दा नेवरा । छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के 77 शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करने वाले 154 व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने सोमवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रशिक्षकों ने मानदेय में बढ़ोतरी, लंबित भुगतान का शीघ्र निराकरण, नौकरी की सुरक्षा और सेवा शर्तों में सुधार की मांग की।

छत्तीसगढ़ के शासकीय स्कूलों में वर्ष 2014 से संचालित व्यावसायिक शिक्षा व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को ब्यूटी एंड वेलनेस, आईटी, ऑटोमोबाइल, एग्रीकल्चर, हेल्थ केयर, रिटेल, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कौशल एवं रोजगारपरक शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। इसके बावजूद इस व्यवस्था को जमीनी स्तर पर लागू करने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षक स्वयं लंबे

समय से अस्थिर सेवा व्यवस्था, कम मानदेय और भुगतान संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। प्रशिक्षकों ने हरियाणा और दिल्ली की तर्ज पर ?38,100 प्रतिमाह मानदेय निर्धारित करने तथा प्रत्येक वर्ष नियमित वेतन वृद्धि लागू करने की मांग की है। उनका कहना है कि वर्षों से विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी निभाने के बावजूद वर्तमान मानदेय उनकी कार्य जिम्मेदारियों और अनुभव के अनुरूप नहीं है। व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने निजी कंपनियों के माध्यम से संचालित वर्तमान व्यवस्था को समाप्त कर प्रशिक्षकों को विभागीय व्यवस्था में शामिल करने तथा सेवा सुरक्षा प्रदान करने की मांग रखी है। साथ ही नई निविदा प्रक्रिया में पहले से कार्यरत अनुभवी प्रशिक्षकों को प्राथमिकता देने की मांग भी की गई है।

प्रशिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। ऐसे में नई निविदा प्रक्रिया के कारण वर्षों से कार्यरत प्रशिक्षकों की नौकरी पर संकट खड़ा होना उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए लंबित भुगतान का शीघ्र निराकरण, सम्मानजनक मानदेय, नियमित वेतन वृद्धि और स्थायी सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

बलौदाबाजार । सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बलौदाबाजार में 15 अगस्त को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में सोनाखान में फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर के पद पर पदस्थ राजेश्वर नामदेव ने ध्वजारोहण कर किया। मुख्य अतिथि नामदेव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनना ही जरूरी नहीं है। जीवन में अपनी रुचि के किसी भी क्षेत्र को चुनकर मेहनत, लगन, समर्पण और निरंतर प्रयास से सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने विद्यालय में बिताए अपने अनुभव और स्मृतियां साझा करते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के

प्रति ईमानदार रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। एएसआईएससी साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2026-27 में सब-जूनियर वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शौर्य पंचवानी एवं साक्षी बसंत तथा जूनियर वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त श्रेयांस कनौजे एवं प्रचीति वैद्या को पुरस्कृत किया गया। सीनियर वर्ग के प्रतिभागी विपाशा भारद्वाज एवं समर मारकंडे को भी सम्मानित किया गया।

एएसआईएससी रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में सब-जूनियर वर्ग की विजेता ऐश्वर्या पटेल, जूनियर वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त माहीका यादव तथा सीनियर वर्ग में जोनम सोनम बारला को पुरस्कार प्रदान किए गए। वहीं शौर्य पंचवानी को सीआईएससीई क्षेत्रीय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीतने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

वैज्ञानिक पशुपालन से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल बने धमतरी के जीवनलाल साहू

रायपुर । दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर परिश्रम और आधुनिक वैज्ञानिक सोच यदि एक साथ मिल जाएं, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में चमत्कार की इबारत लिखी जा सकती है। इसे सच कर दिखाया है धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम मुरा निवासी प्रगतिशील पशुपालक श्री जीवनलाल साहू ने। कभी मात्र दो गाय और दो भैंसों के साथ शुरू हुआ उनका डेयरी व्यवसाय आज पूरे क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और आधुनिक पशुपालन का एक मिसाल (रोल मॉडल) बन चुका है।

पारंपरिक राह छोड़ वैज्ञानिक तकनीकों को चुना

शुरुआती दिनों में संसाधनों की कमी और अनेक व्यावहारिक चुनौतियां थीं। हालांकि, जीवनलाल जी ने पारंपरिक ढर्रे पर चलने के बजाय वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का फैसला किया। उन्होंने समझा कि पशुपालन में मुनाफा बढ़ाने की मुख्य कुंजी नस्ल सुधार और उचित प्रबंधन में छिपी है। उन्होंने उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली साहिवाल, गिर और मुर्रा नस्ल के पशुओं का पालन शुरू किया। इसके साथ ही, स्थानीय देशी गायों में पशुधन विकास विभाग के सहयोग से कृत्रिम गर्भाधान तकनीक का उपयोग कर उन्नत नस्ल की संतति तैयार की।

वर्तमान में उनके डेयरी फार्म में 10 दुधारू एचएफ एवं जर्सी नस्ल की गायें हैं। कृत्रिम गर्भाधान से जन्मी उन्नत नस्ल की बछियों और बछड़ों को तैयार कर बेचने से ही उन्हें हर साल 1.50 से 2.00 लाख रूपए की अतिरिक्त आय मिल जाती है। जीवनलाल साहू के डेयरी फार्म में आज रोजाना औसतन 70 लीटर दूध का उत्पादन होता है।

कुपोषण पर भारी पड़ा प्रशासनिक समन्वय

सारंगढ़-बिलाईगढ़ । कुपोषण जैसी गंभीर समस्या को दूर करने में मजबूत प्रशासनिक समन्वय और विभागों का आपसी तालमेल सबसे बड़ा हथियार साबित होता है, जिससे जमीनी स्तर पर योजनाओं का सही लाभ जरूरतमंद बच्चों और माताओं तक पहुंचता है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की माताओं की गोद में अब केवल ममता ही नहीं, बल्कि अपने बच्चों की बेहतर सेहत का भरोसा भी झलक रहा है। कुपोषण के खिलाफ शुरू की गई सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला प्रशासन की एक मुहिम अब जमीनी स्तर पर रंग लाने लगी है। कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन और महिला एवं बाल विकास विभाग के निरंतर प्रयासों से जिले के 175 आंगनबाड़ी केंद्रों के 88 बच्चे कुपोषण के अंधकार से बाहर निकलकर पूरी तरह 'सुपोषित' श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। तकनीक और जमीनी

आंकड़ों का सटीक तालमेल

यह सफलता किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुनियोजित रणनीति की देन है। अभियान की शुरुआत जून 2026 में 'पोषण ट्रैकर एप' के आंकड़ों के गहन विश्लेषण से हुई। डेटा के आधार पर जिले के करीब 200 आंगनबाड़ी केंद्रों की पहचान की गई, जिन्हें मैदानी पर्यवेक्षकों के सत्यापन के बाद घटाकर 175 संवेदनशील केंद्रों में तब्दील किया गया। ?बच्चों की नियमित सेहत, खान-पान और फॉलो-अप को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को इन केंद्रों की सीधी जिम्मेदारी दी गई। वहीं, जिन 15 केंद्रों में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे अधिक थी, उनकी विशेष देख-रेख की कमान रेडक्रॉस सोसायटी को सौंपी गई। एनआरसी से सास-बहू सम्मेलन तक- उपचार और जागरूकता की दोहरी रणनीति* अभियान को केवल कागजी औपचारिकताओं तक सीमित न रखकर बहुआयामी रूप दिया गया। अति गंभीर कुपोषित बच्चों को तुरंत चिह्नित कर पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) भेजा गया, जहां उन्हें चिकित्सकीय देख-रेख मिली। इसके साथ ही, जगह-जगह बाल संदर्भ शिविर लगाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया ।

क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी नेचुरल इंटेलिजेंस को खत्म कर रही है?

वह ग्रेजुएट नहीं था, लेकिन स्मार्टफोन चलाने में माहिर था। उसके पास हर सवाल का जवाब था, क्योंकि वह एआई पर निर्भर था। एक दिन उसे अपनी बेरोजगारी का जवाब भी मिल गया। एआई के जरिए उसकी समस्या के बारे में जानने वाले किसी व्यक्ति ने उसे 1200 डॉलर की मासिक सैलरी पर विदेश में डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी ऑफर की।

उसे दो लाख रुपए का कर्ज लेकर एजेंट को देने के लिए मजबूर किया गया। उसने पत्नी की आखिरी ज्वेलरी बेचकर ऐसा किया। वह 2023 की शुरुआत में बैंकॉक पहुंचा। श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ्रीकी देशों के लोगों समेत करीब 40 युवक-युवतियां उसके साथ थे और उन्हें तुरंत पश्चिमी थाईलैंड के शहर माए सोत भेज दिया गया। वहां उन्होंने खुद को चीनी बोलने वाले गैंग-मास्टर्स द्वारा संचालित कैंप में पाया, जिसके चारों तरफ ऊंची दीवारें, कंटीले तार और हथियारबंद गार्ड तैनात थे।

24 साल का वह व्यक्ति बेहतर जिंदगी चाहता था, लेकिन म्यांमार के जंगल में फंस गया। अकेले और अमीर लोगों को तथाकथित रोमांस स्कैम में फंसा कर उनसे बड़ी रकम ऐंठने से उसने इनकार किया तो उसे टॉर्चर किया गया। उन्होंने उसके कपड़े उतरवा लिए और कुर्सी पर बैठा कर इलेक्ट्रिक शॉक दिए।

उसे लगा कि अब जिंदगी खत्म है। उनकी बात न मानने के कारण उसे 16 दिन कोठरी में काटने पड़े। वे उसे सिर्फ पानी देते थे। कुछ समय पहले कुछ लोगों को बचाया गया। फिर भी संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि करीब तीन लाख लोग इस 'पिग बुचरिंग' इन्वेस्टमेंट स्कैम में कार्यरत हैं। इस शब्द का भावार्थ है कि ठग कैसे पहले अपने शिकार का भरोसा जीतते हैं और फिर उसे सारा पैसा फर्जी निवेश में लगाने के लिए राजी कर लेते हैं।

सोमवार को मैंने यह कहानी कॉलेज लाइफ में प्रवेश कर रहे स्टूडेंट्स से साझा की। हॉल में बैठे हुए वे उनसे पूछी जा रही हर जानकारी के लिए गूगल सर्च कर रहे थे। वे सोशल मीडिया से राय ले रहे थे और सारे विषय विशेषज्ञ उन्हें यूट्यूब पर ही मिल रहे थे।

उन्हें लगता था कि वे बहुत ज्यादा जानते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें नहीं पता था कि 'वे कितना कम जानते हैं।' क्या वे कम इंटेलिजेंट थे? बिल्कुल नहीं, क्योंकि स्कूल परीक्षा में वे अच्छे अंकों से पास हुए थे। तो ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने हर काम के लिए एआई की मदद लेना शुरू कर दिया?

इंटेलिजेंस को कहीं और खोजकर उन्होंने अपनी नेचुरल इंटेलिजेंस को काम से बचने का मौका दे दिया। और उसने भी खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लिया- इसे लत कहते हैं। वे सोचने लगे कि जब ऐसे काम करने के लिए गूगल है तो कोई भी चीज क्यों याद रखी जाए।

मैंने उन्हें सलाह दी कि नॉलेज के लिए सूचना के साथ माथापच्ची करनी पड़ती है। उस पर सवाल उठाने पड़ते हैं, कनेक्ट करना पड़ता है, उसके अंशों को खारिज करना पड़ता है, तर्क करने पड़ते हैं, उसे अनुभव करना पड़ता है। कभी-कभी तो सामने आता है कि कल तक जिसे लेकर आप पूरी तरह आश्वस्त थे, वह तो बकवास थी। एआई इस माथापच्ची को बहुत घटा देती है।

फिर मैंने उनसे 22 मिनट की डॉक्यूमेंट्री 'स्कैम स्लेव : फ्रॉम हेल टु होम' देखने को कहा। यह एक अवॉर्ड विनिंग शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री है, जिसे टिमोथी ब्लैकवुड ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। इसमें युगांडा के एक बेहद गरीब गांव के 25 वर्षीय युवक गिडियन म्वेसेजी की दिल दहलाने वाली रियल-लाइफ स्टोरी है।

वह मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी का शिकार बना। फिल्म ने एंथम फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री का ग्रैंड प्राइज जीता। इस साल 5 अगस्त को रोड आइलैंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसका ईस्ट कोस्ट प्रीमियर हुआ था।

फिर मैंने उनसे कहा कि जब असल जिंदगी कोई अस्पष्ट-सी परिस्थिति पैदा करती है तो एआई पर निर्भर अधिकतर लोग घिर जाते हैं। जैसे, कोई नैतिक दुविधा, अधूरी जानकारी, विरोधाभासी साक्ष्य या ऐसी समस्या- जिसका सामना पहले किसी ने नहीं किया। इसलिए एआई के दौर में असली स्किल यह जानना है कि कब प्रॉम्प्ट नहीं करना है।

फंडा यह है कि कभी-कभार पूरी किताब पढ़िए, किसी चीज का हिसाब दिमाग में लगाइए और तुरंत सर्च किए बगैर भी किसी मुश्किल स्थिति का जवाब सोचिए। अपने दिमाग को मशक्कत करने दीजिए, ताकि आप अपनी नेचुरल इंटेलिजेंस को खत्म न कर दें।

सींग में आक्रमण है और पूंछ में सुरक्षा, दोनों का महत्व है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

किसी गहरी बात को सरल मुहावरे और उदाहरण के माध्यम से समझाने में तुलसीदास जी को विशेष महारत हासिल थी। गरुड़ जी से संवाद करते हुए उन्होंने कहा है— 'रामचंद्र के भजन बिनु जो चह पद निर्बान, ज्ञानवंत अपि सो नर पसु बिनु पूँछ बिषान।' अर्थात जो व्यक्ति भगवान के भजन के बिना मोक्ष प्राप्त करना चाहता है, वह ज्ञानवान होते हुए भी बिना पूंछ और सींग वाले पशु के समान है।

यहां मोक्ष का अर्थ केवल मृत्यु के बाद मिलने वाली किसी अवस्था से नहीं है। मनुष्य को जीवन में भी मोक्ष का अनुभव हो सकता है। जब व्यक्ति अपने दुर्गुणों, अहंकार, क्रोध, लोभ और नकारात्मक विचारों से मुक्त होने लगता है, मन में शांति आती है और परमात्मा के प्रति आस्था बनी रहती है, तब वही जीवन का वास्तविक मोक्ष है। तुलसीदास जी के अनुसार इसके लिए ईश्वर का स्मरण और भजन आवश्यक है।

उन्होंने पशु के सींग और पूंछ के माध्यम से मनुष्य के जीवन की महत्वपूर्ण सीख भी दी है। **सींग आक्रमण और शक्ति का प्रतीक हैं, जबकि पूंछ सुरक्षा का।** जीवन में आगे बढ़ने के लिए व्यक्ति में आत्मविश्वास, साहस और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता होनी चाहिए। प्रतिस्पर्धा के दौर में अत्यधिक कमजोर होकर जीवन नहीं जिया जा सकता। अपने अधिकारों और लक्ष्य के लिए दृढ़ता से खड़ा होना जरूरी है।

लेकिन केवल आक्रामकता पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को अपनी सुरक्षा, मर्यादा और संबंधों की भी रक्षा करनी चाहिए। साहस के साथ विनम्रता और शक्ति के साथ विवेक का होना आवश्यक है।

युवा पीढ़ी के लिए यह सीख विशेष महत्वपूर्ण है। सफलता की दौड़ में आत्मविश्वास रखें, लेकिन अहंकार से बचें। विरोध का सामना करें, लेकिन किसी का अनावश्यक अहित न करें। अपनी क्षमता का उपयोग विकास के लिए करें और ईश्वर के स्मरण से भीतर की शांति बनाए रखें। यही जीवन में शक्ति और सुरक्षा का संतुलन है।

एलएसी पर चीन की हरकतों की 'टाइमिंग' समझना जरूरी

पिछले तीन-चार हफ्तों में तवांग के उत्तर-पूर्व और असफीला दर्रे के निकट स्थित तक्सिंग क्षेत्र में एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) के पार चीनी फौजों (पीएलए) की घुसपैठ की खबरें सामने आई हैं। यहां पीएलए ने कथित तौर पर भारतीय सेना की अपने पैट्रोलिंग पॉइंट्स तक पहुंच रोक दी है।

सरकार ने इस तरह की किसी घटना से इनकार किया है। लेकिन अरुणाचल टाइम्स ने घटनाक्रम की रिपोर्ट प्रकाशित की है और पूर्व गृह सचिव आर.के. सिंह ने आरोप लगाया है कि यह तक्सिंग क्षेत्र में शेरा-5 पैट्रोलिंग पॉइंट को भारत द्वारा छोड़ दिए जाने का परिणाम है।

दरअसल, जो कुछ हुआ है, उसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। चीन यह स्वीकार नहीं करता कि यहां एलएसी मैकमोहन रेखा से निर्धारित होती है। उसका दावा है कि पूरा अरुणाचल प्रदेश ही उसका क्षेत्र है और वह इसे जांगनान या दक्षिणी तिब्बत कहता है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में चीन ने पूरे नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) पर कब्जा कर लिया था। उस समय अरुणाचल प्रदेश को उसी नाम से जाना जाता था। हालांकि, इसके बाद उसने अपनी सेनाएं मैकमोहन रेखा के उत्तर में वापस बुला ली थीं। लेकिन 1950 के दशक से ही मैकमोहन रेखा के वास्तविक मार्ग को लेकर भी मतभेद रहे हैं और इसी वजह से भारत और चीन के बीच दावे और काउंटर-क्लेम्स होते रहे हैं।

2003 में प्रधानमंत्री वाजपेयी की बीजिंग यात्रा की पूर्व संध्या पर एक चीनी गश्ती दल ने असफी-ला के पास भारतीय सैनिकों के एक छोटे दल से उनके हथियार छीन लिए थे और बाद में उन्हें उनके हथियारों समेत एक भारतीय ऑब्जर्वेशन पोस्ट को सौंप दिया था।

दरअसल, एलएसी पर चीनी घुसपैठों में एक विचित्र पैटर्न भी देखने को मिलता है। जब भी कोई आधिकारिक यात्रा प्रस्तावित होती है या करीब आती है, तो एक व्यापक रूप से प्रचारित घटना सामने आने लगती है, जिसका उद्देश्य यह दिखाना होता है कि एलएसी कोई पारस्परिक रूप से मान्य सीमा नहीं है।

2013 में चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग की भारत यात्रा से पहले भी एक चीनी गश्ती दल पूर्वी लद्दाख में एलएसी के भारतीय हिस्से में 19 किलोमीटर अंदर तक आ गया था और राकी नाला के पास एक स्थान पर कब्जा कर लिया था। इससे भारतीय गश्ती दलों के लिए डेपसांग बुल्ज में प्रभावी ढंग से गश्त करना संभव नहीं रह गया था।

बाद में चीन ने अपने सैनिक वापस बुला लिए। 2014 में शी जिनपिंग की यात्रा की पूर्व संध्या पर भी चीनी सैनिकों ने एलएसी पार की और विवादित क्षेत्र में सड़क बनाने की कोशिश की। दोनों पक्षों के सैकड़ों सैनिकों के बीच आमना-सामना हुआ और यह गतिरोध शी की भारत यात्रा के दौरान भी जारी रहा।

2019 में, जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के भारत के फैसले पर चीन ने नाराजगी जाहिर की थी। इसलिए, जब शी जिनपिंग, नरेंद्र मोदी के साथ दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए चेन्नई आए तो लद्दाख के पैंगोंग झील क्षेत्र में चीनी गश्त बढ़ गई और इसके परिणामस्वरूप भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई। अब फिर अगले महीने शी भारत आ सकते हैं और चीनी हरकतें नजर आने लगी हैं।

इसके पीछे चीन के क्या मनसूबे होते हैं, यह समझ पाना मुश्किल है। नई दिल्ली के लिए यह समझना भी कठिन रहा है कि चेन्नई शिखर सम्मेलन के बाद चीन ने पूर्वी लद्दाख में भारतीय ठिकानों की नाकेबंदी आखिर क्यों की थी, जिसके परिणामस्वरूप गलवान में झड़प हुई। चीन एक और खेल खेल रहा है।

2017 से चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के अपने द्वारा दिए नामों की छह सूचियां जारी की हैं। अब तक 112 नाम घोषित किए जा चुके हैं। 7 अगस्त को हमने जवाब देते हुए 27 स्थानों के मानक नामों की घोषणा की तो चीन भड़क उठा।

हकीकत यही है कि अरुणाचल के लोगों का तिब्बत के साथ कोई जातीय संबंध नहीं है। उसे दक्षिणी तिब्बत कहकर बदलकर चीन भले एक संदेश देना चाहता हो, लेकिन युद्ध शुरू करने के अलावा वह इस बारे में बहुत कुछ नहीं कर सकता। आज की स्थिति 1962 से बहुत अलग है। भारत के पास एक मजबूत सेना है, जो इस क्षेत्र की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। हम एक परमाणु ताकत भी हैं।

एलएसी पर चीनी घुसपैठों में एक विचित्र पैटर्न देखने को मिलता है। जब भी कोई आधिकारिक यात्रा होती है, तो ऐसी घटनाएं सामने आने लगती हैं, जिनका उद्देश्य यह दिखाना होता है कि एलएसी पारस्परिक रूप से मान्य सीमा नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वन महोत्सव : पौधरोपण से आगे बढ़ने का समय

जुलाई का पहला सप्ताह वन महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1950 में तत्कालीन कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी की पहल पर आरंभ हुआ यह अभियान केवल पेड़ लगाने का कार्यक्रम नहीं था। इसके पीछे यह विचार था कि वन संरक्षण को सरकारी दायित्व तक सीमित न रखकर जनभागीदारी का विषय बनाया जाए। सात दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इस अभियान की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। बल्कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा और घटते भूजल स्तर ने इसकी आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ा दी है। किंतु हर वर्ष करोड़ों पौधे लगाने के दावों के बीच यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन अभियानों से वास्तव में कितना स्थायी परिवर्तन आया है। भारतीय वन सर्वेक्षण की 'इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट-2023' के अनुसार देश का कुल 'वन एवं वृक्ष आवरण' 8,27,357 वर्ग किलोमीटर, अर्थात भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर (21.76 प्रतिशत) वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर (3.41 प्रतिशत) वृक्ष आवरण शामिल है।

यह स्थिति उत्साहजनक अवश्य है, परंतु इन आंकड़ों को सतही दृष्टि से देखने के बजाय उनके भीतर छिपे संकेतों को समझना अधिक आवश्यक है। कई क्षेत्रों में वृक्षों की संख्या बढ़ी है, लेकिन प्राकृतिक वनों पर दबाव भी बना हुआ है। विशेषकर पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों में वनावरण में कमी दर्ज की गई है, जबकि मध्य भारत के कई वनक्षेत्र खनन, सडक़ निर्माण और अन्य विकास परियोजनाओं के दबाव का सामना कर रहे हैं। इसलिए केवल हरित क्षेत्र बढऩा पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्राकृतिक वनों का सुरक्षित रहना अधिक आवश्यक है। वास्तविक चुनौती पौधरोपण नहीं, वृक्षों का संरक्षण है। प्रत्येक वर्ष राज्यों द्वारा करोड़ों पौधे लगाए जाते हैं। उत्तर प्रदेश ने भी हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाए हैं। किंतु अनेक स्वतंत्र अध्ययनों और सरकारी समीक्षा बैठकों में यह स्वीकार किया गया है कि पौधों के जीवित रहने की दर हर स्थान पर संतोषजनक नहीं रहती। कई स्थानों पर पौधे रोप दिए जाते हैं, लेकिन सिंचाई, सुरक्षा और नियमित देखरेख के अभाव में कुछ ही महीनों में वे नष्ट हो जाते हैं। यदि एक पौधा वृक्ष बनने तक सुरक्षित नहीं पहुंचता तो पौधरोपण का पूरा प्रयास केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। इसलिए अब अभियान की सफलता लगाए गए पौधों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके जीवित रहने की दर से मापी जानी चाहिए।

वन संरक्षण को केवल पर्यावरण का प्रश्न मानना भी पर्याप्त नहीं है। इसका सीधा संबंध कृषि, जल, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से है। भारतीय कृषि का बड़ा हिस्सा आज भी वर्षा पर निर्भर है। वन वर्षाचक्र को संतुलित रखने, भूजल के पुनर्भरण, मिट्टी के कटाव को रोकने तथा नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यही नहीं, देश के करोड़ों लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वन आधारित आजीविका पर निर्भर हैं। बांस, लाख, शहद, तेंदूपत्ता और अनेक लघु वनोपज आज भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार हैं। वन केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि एक जीवंत आर्थिक और पारिस्थितिक तंत्र हैं।

आज जलवायु परिवर्तन के प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष भी देश के अनेक भागों में सामान्य से अधिक तापमान, असामान्य वर्षा और चरम मौसमी घटनाएं देखने को मिलीं। संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न जलवायु रिपोर्ट्स लगातार चेतावनी दे रही हैं कि यदि प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाले दशकों में जल संकट, जैव विविधता का ह्रास और खाद्य सुरक्षा की चुनौतियां और गहरी होंगी।

ऐसे समय में वन महोत्सव को केवल एक वार्षिक सरकारी कार्यक्रम के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह भी आवश्यक है कि पौधरोपण स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप हो। कई बार केवल लक्ष्य पूरा करने के लिए ऐसी प्रजातियां लगा दी जाती हैं, जो उस क्षेत्र की पारिस्थितिकी के अनुकूल नहीं होतीं। विशेषज्ञ लंबे समय से इस बात पर बल देते रहे हैं कि स्थानीय और देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि वही स्थानीय जलवायु, मिट्टी और वन्यजीवों के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करती हैं। इसी प्रकार शहरों में भी केवल सजावटी पौधों के स्थान पर छायादार और दीर्घजीवी वृक्षों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

वन महोत्सव की सबसे बड़ी सफलता तब होगी, जब यह सरकारी अभियान से आगे बढक़र सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बने। विद्यालयों में लगाए गए पौधों की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को मिले, ग्राम पंचायतें सामुदायिक वन विकसित करें, नगर निकाय अपने हरित क्षेत्रों की नियमित निगरानी करें और प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में कम-से-कम एक वृक्ष को सुरक्षित रखने का संकल्प ले।

पर्यावरण की रक्षा केवल कानूनों और योजनाओं से नहीं होती, बल्कि समाज की सहभागिता से होती है। वन महोत्सव हमें यही याद दिलाता है कि वृक्ष भविष्य की आवश्यकता नहीं, वर्तमान की अनिवार्यता हैं। पौधरोपण का महत्व तब सिद्ध होगा, जब लगाए गए पौधे आने वाले वर्षों में घने वृक्ष बनकर धरती को छाया, जल और जीवन दे सकें। हरियाली का वास्तविक विस्तार संख्या से नहीं, संरक्षण की निरंतरता से होता है।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

महाराज श्रीदशरथ जब कैकेई से वार्तालाप करते हैं उस समय गोस्वामीजी ने महाराज श्रीदशरथ का वर्णन उस योगी के समान किया जो ज्ञान का महान दीपक जलाने के लिए व्यग्र था लेकिन अंतिम क्षण में अचानक उस दीपक को किसी ने बुझा दिया। और उस दीपक को बुझाने वाली हैं कैकेई। उत्तरकाण्ड में कहा गया है कि दीपक बुझाने वाली जो माया है, वह साधक के पास जाकर अपनी कला का प्रयोग करके, बल एवं छल का प्रयोग करके अपने अंचल के द्वारा उस दीपक को बुझा देती है –

कल बल छल करि जाहिं समीपा। अंचल बात बुझावहिं दीपा।।

इसी प्रकार महाराज श्रीदशरथ भी रामराज्य बनाना चाहते थे। इसका तात्पर्य है कि वे ज्ञानदीप को प्रज्वलित करना चाहते थे लेकिन कैकेईजी ने उस दीपक को बुझा दिया। और कैकेईजी ने सचमुच कल, बल एवं छल से उस दीपक को बुझाया।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

देश को विपक्ष से सकारात्मक बातों की भी अपेक्षा होती है

पिछले सप्ताह राजधानी दिल्ली में 'रचनात्मक कांग्रेस' के एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं के दौरान दुनिया के नेताओं को गले लगाने की आदत का मजाक उड़ाया। अपेक्षाकृत युवा दर्शक इस मजाक पर हंसे जरूर, लेकिन बात तब अरुचिकर हो गई, जब कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने इसमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भी घसीट लिया।

शायद अब समय आ गया है कि विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी उपहास करने की अपनी इस रणनीति की दीर्घकालिक उपयोगिता पर आत्ममंथन करें। मंच पर इस तरह का हास्य-प्रदर्शन भले ही सुर्खियां बटोरने में सफल रहता हो, लेकिन यह सरकार की विदेश नीति की सुविचारित आलोचना का विकल्प नहीं हो सकता।

जनता विपक्ष के नेता से यही अपेक्षा करती है कि वह उसके सामने कुछ ठोस विचार प्रस्तुत करे, ताकि चुनाव में किसी विकल्प का चयन करने से पहले वह अपना मन बना सके। संसदीय व्यवस्था में विपक्ष का नेता मौजूदा सरकार की आलोचना करते हुए एक वैकल्पिक नीतिगत ढांचा भी प्रस्तुत करता है।

इसमें संदेह नहीं कि पिछले 12 वर्षों में राहुल गांधी की 'पप्पू' वाली छवि गढ़ने के लिए काफी प्रयास किए गए हैं और संसाधन लगाए गए हैं। ऐसे में ताज्जुब नहीं कि राहुल भी अब प्रधानमंत्री के आभामण्डल में सेंध लगाने के लिए उतनी ही तीव्रता से पलटवार कर रहे हैं। लेकिन इसने देश के राजनीतिक विमर्श को दुर्भाग्यपूर्ण स्तर तक गिराया है। समय के साथ ही राजनीति भी बदलती है और बदलनी चाहिए भी।

राहुल गांधी ने 2022 में 145 दिनों तक चली भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपनी छवि को बदलने की कोशिश की थी। यह यात्रा दक्षिण में कन्याकुमारी से उत्तर में श्रीनगर तक 4,000 किलोमीटर से अधिक चली। तब उनकी प्रतिबद्धता, दृढ़ता और आम लोगों के साथ सहज-संवाद ने भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में ला दिया था।

2024 के आम चुनाव में इसके परिणाम भी देखने को मिले। कांग्रेस ने न केवल लोकसभा में अपनी सीटों की संख्या दोगुनी करके 99 कर ली, बल्कि भाजपा को बहुमत पाने से भी रोक दिया। उसे गठबंधन सरकार बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

हाल में देशभर में युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों के बाद राजनीति में समीकरण बदलने की संभावना बन सकती है। अगर राहुल गांधी इस आंदोलन से पैदा हुई ऊर्जा का लाभ उठाना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी छवि में एक और बदलाव लाना होगा।

उनकी 'पप्पू' वाली छवि को तो समाप्त किया जा चुका है, लेकिन राहुल गांधी को अब यह भी स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वे किन विचारों और नीतियों के पक्ष में खड़े हैं और कांग्रेस की सरकार या कांग्रेस के नेतृत्व वाली किसी गठबंधन सरकार का भारत के लोगों के लिए क्या मतलब होगा।

यह खास तौर पर युवा मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्होंने पिछले 12 वर्षों में खड़ी की गई खामोशी की दीवार को तोड़ते हुए सत्ता में बैठे लोगों से जवाबदेही की मांग की है। अब वे बेहतर शिक्षा और रोजगार के अपने अधिकार को हासिल करने, असहमति जताने और अपनी भाषा में अपनी बात कहने की आजादी की खुलकर और जमकर आजमाइश करने लगे हैं।

लोकसभा चुनाव में अभी तीन साल बाकी हैं। ऐसे में अगर कांग्रेस को अपनी जीत के अवसरों को उजला बनाना है तो राहुल गांधी को मौजूदा सरकार को लगातार नीचा दिखाने वाले नकारात्मक अभियान पर टिके रहने के बजाय, अधिक गंभीरता और गरिमा के साथ एक सकारात्मक एजेंडा सामने रखना होगा। उस व्यक्ति से गंभीरता अधिक अपेक्षित होती है, जो अगली सरकार का नेतृत्व करने की उम्मीद रखता हो।

हमने राहुल को 'एंग्री यंग मैन' के रूप में देखा है। सड़कों पर उतरने वाले जमीनी नेता के रूप में भी देखा है। पिछले सप्ताह हमने उनका ट्रोलिंग करने वाला रूप भी देख लिया। लेकिन देश को अभी तक इस बारे में बहुत कम जानकारी है कि अगर कांग्रेस अगला चुनाव जीतती है तो राहुल गांधी प्रधानमंत्री कार्यालय में क्या लेकर आएंगे?

अभी तक उन्होंने धर्मनिरपेक्षता से लेकर 'मोहब्बत की दुकान', 'पांच न्याय', जाति जनगणना और अब छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों तक कई मुद्दों और राजनीतिक नारों को आजमाया है। लेकिन आने वाले समय में राहुल गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती वे खुद हैं।

उन्होंने उपहास और तीखी आलोचना को अपनी राजनीति की पहचान तो बना लिया है, लेकिन क्या वे इसे बदलकर ऐसा विश्वसनीय राजनीतिक नैरेटिव भी तैयार कर सकते हैं, जिससे 2029 में कांग्रेस और बेहतर विकल्प के रूप में सामने आए?

राहुल गांधी को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वे किन विचारों और नीतियों के पक्ष में खड़े हैं और भविष्य में कांग्रेस की सरकार का भारत के लोगों के लिए क्या मतलब होगा। यह खास तौर पर युवा मतदाताओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

डेयरी शहर से बाहर शिफ्ट नहीं, नोटिस-जुर्माने तक निगमः रिहायशी इलाकों में संचालन से गंदगी, खुले में छोड़े जा रहे मवेशियों से यातायात भी प्रभावित

रायपुर। शहर के रिहायशी इलाकों में चल रही डेयरियों को बाहर शिफ्ट करने की नगर निगम की कार्रवाई नोटिस और जुर्माने तक सीमित है। पिछले साल 50 से अधिक कार्रवाई और इस साल 28 से ज्यादा नोटिस के बावजूद डेयरी बाहर शिफ्ट नहीं हुई। निगम 50 हजार रुपए से ज्यादा जुर्माना वसूल चुका है, लेकिन एक साल में शिफ्टिंग के लिए अभियान नहीं चला। कार्रवाई से बचने संचालक दिन में मवेशियों को खुले में छोड़ देते हैं, जिससे सड़कों पर गंदगी फैलती है। मवेशियों को पकड़कर छोड़ने पर निगम 2 लाख रुपए से ज्यादा जुर्माना वसूल चुका है।

इसलिए निगम से रजिस्ट्रेशन जरूरी

आप शहर में दूध-पनीर या डेयरी उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं और मवेशियों का पालन कर रहे हैं तो नगर निगम से रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। इसके साथ ही नगर पालिका अधिनियम के तहत मवेशियों को कहीं भी बांधने, खुला छोड़ने और गंदगी फैलाने पर जुर्माने का प्रावधान है। इसी के साथ डेयरी का संचालन शहर से बाहर किए जाने का प्रावधान है, ताकि रिहायशी क्षेत्रों में यातायात, गंदगी और स्वास्थ्य पर प्रभाव न पड़े।

रायपुर नगर निगम के 70 वार्डों के रिहायशी क्षेत्रों में 400 से अधिक छोटी-बड़ी डेयरियों का संचालन होता है। 3-4 या इससे अधिक भैंस या गाय रखकर लोग डेयरी का व्यापार कर रहे हैं। बड़े स्तर पर भी यह व्यापार रिहायशी क्षेत्रों में चलता है। छोटे पशुपालक कार्रवाई से बचने के लिए दिनभर मवेशियों को खुले में छोड़ देते हैं और सिर्फ दुधारू गायों पर ही फोकस करते हैं। कुछ महीने पहले दलदल सिवनी में संचालित डेयरी की शिकायत पर पहुंची निगम की टीम ने नाली में गोबर फेंकने पर जुर्माना लगाया। इसी तरह एक कार्रवाई फाफाडीह में भी हुई थी।

लगातार कर रहे कार्रवाई

रिहायशी क्षेत्रों में संचालित डेयरी संचालकों पर लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। नोटिस और जुर्माने के अलावा उन्हें समझाइश दे रहे हैं कि वे इसे शहर से बाहर शिफ्ट करें। कई डेयरियां शिफ्ट भी हुई हैं। इसके लिए आगे भी लगातार कार्रवाई और शिफ्टिंग को लेकर अभियान चलाया जाएगा।

विनोद पांडेय, अपर आयुक्त, नगर निगम रायपुर

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

संस्कृति वर्मा को एक लाख का चेक देकर सम्मानित किया गया

हतबंध। 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हथबंद निवासी भाजपा युवा नेता सांसद प्रतिनिधि संजय वर्मा एवं शाला विकास समिति हथबंद के पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विद्या वर्मा की सुपुत्री संस्कृति वर्मा को कक्षा 12वी के सीबीएससी की परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण होने पर आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल रावण में एक लाख का चेक देकर सम्मानित किया गया।शाला विकास समिति हथबंद के अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं सहकारी समिति हथबंद के अध्यक्ष धनेश निषाद ने कहा कि इस उपलब्धि से हमारे ग्राम हथबंद का नाम रोशन हुआ है। इस उपलब्धि पर कई लोगों ने शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में समस्या

23 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराई तो सिलेंडर की डिलीवरी बंद, रायपुर में ऐसे 50 हजार से ज्यादा ग्राहक

रायपुर। राज्यभर में 6 लाख से ज्यादा लोगों ने एलपीजी सत्यापन नहीं कराया है। यही स्थिति देश के अन्य राज्यों में भी है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने ई-केवाईसी की अंतिम तारीख 23 अगस्त तक बढ़ाते हुए इसे आखिरी मोहलत बताया है। इसके बाद तारीख नहीं बढ़ेगी और सत्यापन नहीं कराने वालों को सिलेंडर की डिलीवरी नहीं होगी। एचपीसीएल, बीपीसीएल और इंडियन ऑइल के करीब 70 लाख ग्राहक हैं। रायपुर में करीब 7 लाख ग्राहकों में 50 हजार से ज्यादा की ई-केवाईसी बाकी है। एजेंसियां एसएमएस भेज रही हैं। आधार और गैस कार्ड से एजेंसी में पांच मिनट से कम समय में सत्यापन होगा। ई-केवाईसी नहीं कराने वालों की सब्सिडी बंद है।

घर बैठे ऑनलाइन भी अपडेट कर सकते हैं ई-केवाईसी

लोग घर बैठे भी ई-केवाईसी करवा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले जिस भी कंपनी का सिलेंडर इस्तेमाल कर रहे हैं उसका ऑफिशियल एप डाउनलोड करें। इंडेन, एचपीसीएल या बीपीसीएल का एप आपके मोबाइल स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। एप डाउनलोड करने के बाद दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करें। एप वर्किंग में आने के बाद दिए गए ई-केवाईसी ऑप्शन को चुनें। इसके बाद बताई जाने वाली प्रक्रिया पूरी करें।

...तो 1014 का सिलेंडर 2965 रु. में

एजेंसी वालों के मुताबिक ई-केवाईसी नहीं कराने पर घरेलू सिलेंडर कमर्शियल दर पर लेना पड़ सकता है। रायपुर में घरेलू सिलेंडर 1014 और कमर्शियल 2965 रुपए का है। जागरूकता की कमी से मार्च 2026 से तारीख बढ़ती रही।

केंद्र सरकार की ओर से ई-केवाईसी कराने के लिए 23 अगस्त तक का समय दिया गया है। पहले इसकी आखिरी तारीख 15 अगस्त थी। जो भी ग्राहक अपना सत्यापन नहीं कराएंगे उन्हें सिलेंडर और सब्सिडी दोनों नहीं मिलेगी। मुरारी गौर, प्रदेशाध्यक्ष बीपीसीएल डिस्ट्रीब्यूटर संघ

वेज ऑर्डर किया, प्लेट में मिले चिकन के टुकड़े! रायपुर में शिक्षिकाओं का फूटा गुस्सा

रायपुर। रायपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक रेस्टोरेंट में वेज खाना ऑर्डर करने के बाद उसमें चिकन के टुकड़े मिलने का दावा किया जा रहा है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ महिलाएं रेस्टोरेंट प्रबंधन और कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाती नजर आ रही हैं।

दावा किया जा रहा है कि वायरल वीडियो 15 अगस्त का है। बताया जा रहा है कि स्कूल कार्यक्रम के बाद कुछ शिक्षिकाएं खाना खाने के लिए मंदिर हसौद क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने वेज खाना ऑर्डर किया था। खाना परोसे जाने के बाद शिक्षिकाओं ने जैसे ही खाना शुरू किया, उन्हें प्लेट में वेज खाने के साथ चिकन के टुकड़े नजर आए। इसके बाद मौके पर विवाद की स्थिति बन गई। शिक्षिकाओं ने रेस्टोरेंट प्रबंधन और कर्मचारियों से इसको लेकर नाराजगी जताई और जमकर हंगामा किया।

वेज खाने में नॉनवेज मिलाने का आरोप

वायरल वीडियो में महिलाएं रेस्टोरेंट कर्मचारियों और प्रबंधन से सवाल-जवाब करती नजर आ रही हैं। महिलाओं का आरोप है कि उन्होंने स्पष्ट रूप से वेज खाना ऑर्डर किया था, इसके बावजूद उनके खाने में नॉनवेज मिला हुआ था।

वीडियो में एक महिला यह आरोप भी लगाती नजर आ रही है कि उनके खाने में जानबूझकर नॉनवेज मिलाया गया। महिला ने इस घटना से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होने और धर्म-भ्रष्ट करने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद रेस्टोरेंट में काफी देर तक हंगामा होने की बात सामने आ रही है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 1.15 करोड़ ठगने वाले गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर रेंज साइबर थाना पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले इंटर-स्टेट गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गुजरात, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ देश के अलग-अलग राज्यों में भी ठगी के कई मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुजरात निवासी शुभम चौहान और साबले प्रेम विश्वास, महाराष्ट्र निवासी अनुज सेन और विक्की रांहगडाले के रूप में हुई है।

पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर थाना की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की। जांच के दौरान ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों और मोबाइल नंबरों का एनालिसिस किया गया। इसी के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही।

नाग पंचमी और तृतीया सोमवार के कारण शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी

खरोरा। श्रावण मास के तृतीया सोमवार 17 अगस्त को तृतीय सावन सोमवारी एवं नाग पंचमी के विशेष योग के कारण खरोरा सहित आसपास के समस्त शिवालयों में सुबह से लेकर देर रात तक शिव भक्तों की भारी भीड़ के साथ-साथ कांवरियों की भी जल अभिषेक के लिए लंबी कतारें लगी रही। भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं नाग देवता के विशेष पूजा अर्चना के आयोजन मंदिरों में किया गया था। मंदिर परिसर दिनभर हर हर महादेव और बोल बम के साथ ही नाग देवता की जय घोष से पूरा मंदिर के साथ ही ग्रामों में भी खासी उत्साह देखने को मिली। इस समय धार्मिक मान्यताओं के अनुसार 30 वर्ष के बाद सोमवार और नाग पंचमी का विशेष संयोग बना है। मां परमेश्वरी मंदिर केसला के पुजारी मुन्ना महाराज ने नागपंचमी के महत्व एवं विधि को बताते हुए कहा कि धर्म शास्त्र में नागदेवता का सीधा संबंध भगवान शिव और भगवान विष्णु से है। महादेव अपने गले में वासुकी नाग को धारण करते हैं जबकि सृष्टि के पालनहार श्री हरि विष्णु शेषनाग की सैया पर विश्राम करते हैं शास्त्रों के अनुसार नाग पंचमी के दिन नियम पूर्वक पूजा करने से सर्प भय दूर होता है यदि आप भी इस दिन पूजा कर रहे हैं तो केवल पीतल चांदी या मिट्टी के नाग प्रतिमा पर ही दूध जल अर्पित करें जिससे कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इस कारण इस दिन का विशेष महत्व है। शिव भक्तों के द्वारा जल, दूध, बेल पत्र, धतूरा, भांग, शमी पत्र, श्वेत पुष्प एवं भस्म अर्पित कर भगवान शिव का विशेष पूजा अर्चना किया गया।

छत्तीसगढ़ के MBBS इंटर्न के लिए खुशखबरी! 15,900 का स्टाइपेंड बढ़कर हो सकता है 30 हजार

रायपुर। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस के इंटर्न छात्रों को हर माह 30 हजार स्टाइपेंड मिल सकता है। राज्य शासन ने एक कमेटी बनाई थी, जिन्होंने वर्तमान स्टाइपेंड 15900 रुपए को रिवाइज कर 30 हजार किया है। कमेटी ने रिपोर्ट कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यालय भेज दिया था। कमिश्नर ने भी कमेटी की अनुशंसा तस का जस राज्य शासन को भेज दिया है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले कुछ दिनों में शासन बढ़ा हुआ स्टाइपेंड का आदेश जारी कर सकता है।मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न पिछले 10 दिनों से हड़ताल कर रहे हैं। ये हड़ताल राजनांदगांव, रायगढ़ समेत दूसरे मेडिकल कॉलेजों में चल रही है। रायपुर मेडिकल कॉलेज में ये हड़ताल नहीं चल रही है। स्टाइपेंड की मांग पर कमिश्नर कार्यालय ने मेडिसिन विभाग की एचओडी डॉ.देवप्रिया लकड़ा की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी। कमेटी को दूसरे राज्यों से तुलना कर प्रदेश में इंटर्न छात्रों का स्टाइपेंड तय करने को कहा गया था। कमिश्नर ने कहा कि आपकी फीस कई समय से नहीं बढ़ाई गई है, क्या उसे बढ़ा दिया जाए? यह भी कहा गया कि क्या कॉलेजों का हॉस्टल बजट हटा दिया जाए, आपके स्टाइपेंड के लिए? हालांकि पत्रिका से बतचीत में कमिश्नर ने इस तरह की बात से इनकार किया था। हालांकि इस आरोप की वीडियो वायरल है, जिसमें इंटर्न छात्र कमिश्नर की आलोचना कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेजों के जूनियर डॉक्टर यानी पीजी छात्र सितंबर से हड़ताल पर जा सकते हैं। वे भी स्टाइपेंड हर माह एक लाख रुपए से ज्यादा करने की मांग कर रहे हैं। अभी उन्हें 67 हजार से 75 हजार स्टाइपेंड हर माह मिल रहा है। ये दूसरे राज्यों की तुलना में काफी कम है।

जूडो का कहना है कि वे अस्पताल की रीढ़ हैं। 24 घंटे बिना ब्रेक के काम करते हैं, लेकिन उन्हें मेहनत की तुलना में कम स्टाइपेंड दिया जा रहा है।

रिवाइज कमेटी ने इंटर्न छात्रों का स्टाइपेंड प्रति माह 30 हजार रुपए करने की अनुशंसा की है। यह अनुशंसा राज्य शासन के पास भेज दी गई है। स्टाइपेंड बढ़ाना राज्य शासन के हाथ में है। छात्रों को हड़ताल से लौट आना चाहिए- **रितेश अग्रवाल, कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन**

सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर खरोरा में संगोष्ठी, युवाओं से रूबरू हुए मोहम्मद फ़ैज़ खान

खरोरा। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर युवा विचार संस्थान द्वारा विधायक भवन, खरोरा में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में राष्ट्रीय मुस्लिम मंच, गौ-सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद फ़ैज़ खान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वहीं जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल एवं युवा विचार संस्थान के संरक्षक राजीव अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात श्री राजीव अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए युवाओं को सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र निर्माण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता मोहम्मद फ़ैज़ खान ने सामाजिक समरसता, सामाजिक सद्भाव, भारतीय संस्कृति, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और यही विविधता देश को विश्व में विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए सभी को जाति, धर्म, भाषा एवं क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति के मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए युवाओं से सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए आगे आने का आग्रह किया।

मुख्य वक्ता के उद्बोधन के पश्चात आयोजित संवाद सत्र में उपस्थित युवाओं ने विभिन्न समसामयिक विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका श्री फ़ैज़ खान ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट अतिथियों का युवा विचार संस्थान के अध्यक्ष तोरण सिंह ठाकुर सहित विकास सिंह ठाकुर, आयुष वर्मा, संजय भट्ट, निमेश देवांगन, तामेश्वर मरकाम, जयप्रकाश वर्मा, गौरीशंकर देवांगन, कृष्ण कुमार देवांगन, जयंत सिंह ठाकुर, आदित्य राजपूत, देव देवांगन, सत्या माण्डले, गणेश देवांगन, शिवम साहू, सुरेंद्र सिंह, छोटू यादव, जगजीत यादव, गजेन्द्र साहू, जय देवांगन, योगेश धीवर, हितेश साहू, नितेश साहू, निरज साहू, नितिन मारवाड़, आर्यन देवांगन, खिलेश्वर साहू, अमन मसीह, कृष्णा बंछोर, हेमंत रौतिया, देवा सायतोडे, ललित सोनवानी, हर्ष सोनवानी, हर्षित देवांगन, अयान अली एवं राहुल देवांगन सहित अन्य युवाओं द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन सामान्य रहने वाला है. स्वास्थ्य तो ठीक रहेगा, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का सुनहरा अवसर मिल सकता है. आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का सुनहरा अवसर मिल सकता है. खर्चों पर कंट्रोल रखना होगा और हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा। सेहत को हल्के में न लें,

वृषभ। आज का दिन व्यर्थ की भागदौड़ और मानसिक अशांति वाला हो सकता है. स्वास्थ्य में गिरावट आने से आप शारीरिक रूप से परेशान महसूस कर सकते हैं. व्यापारिक निर्णयों में सावधानी बरतें. स्वास्थ्य में गिरावट आने से आप शारीरिक रूप से परेशान महसूस कर सकते हैं. व्यापारिक निर्णयों में सावधानी बरतें. निवेश से फायदा मिलेगा और बिजनेस में रफ्तार बढ़ेगी।

मिथुन। आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा. पुराने कर्ज की समस्या सुलझने से मानसिक शांति मिलेगी. आप किसी नए कार्य की शुरुआत करने का मन बना सकते हैं. आप किसी नए कार्य की शुरुआत करने का मन बना सकते हैं. आप अपने फैसलों से दूसरों को चौंका देंगे। घूमने-फिरने का प्लान बनेगा और पुण्य कार्यों में मन लगेगा। बस एक बात याद रखें।

कर्क। आज का दिन बहुत अच्छा बीतने वाला है. लंबे समय से अटके हुए कार्यों में आपको सफलता प्राप्त होगी. कार्यक्षेत्र में साझेदारी से विशेष लाभ होने की उम्मीद है. कार्यक्षेत्र में साझेदारी से विशेष लाभ होने की उम्मीद है. वाहन चलाते समय खास सावधानी रखें। वैवाहिक जीवन में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है, इसलिए बातचीत बनाए रखें। घर में किसी शुभ आयोजन की हलचल आपको व्यस्त रखेगी।

सिंह। आज आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. व्यर्थ के विवादों से दूर रहें, अन्यथा झूठे आरोप लग सकते हैं. व्यापार में फिलहाल किसी भी तरह का बदलाव करने से बचें. व्यापार में फिलहाल किसी भी तरह का बदलाव करने से बचें. मीठी वाणी से सम्मान मिलेगा और ऑफिस में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आप आगे बढ़ेंगे, लेकिन मन में किसी के लिए जलन न रखें। यात्रा के दौरान अपने सामान का ध्यान रखें,

कन्या। आज किसी करीबी व्यक्ति या रिश्तेदार के व्यवहार से आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं. व्यवसाय में अपने साझीदार पर आँख मूँदकर भरोसा न करें, विश्वासघात की संभावना है. व्यवसाय में अपने साझीदार पर आँख मूँदकर भरोसा न करें, विश्वासघात की संभावना है. परिवार को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, खासकर पैतृक संपत्ति के मामलों में सतर्क रहें। जो जिम्मेदारी मिले, उसे पूरी ईमानदारी से निभाएं।

तुला। आज का दिन खुशियों भरा रहेगा. किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात होने से मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा. आप परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं. आप परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं. परिवार में नए सदस्य के आने या शादी-ब्याह की तैयारियों से माहौल खुशनुमा रहेगा। लेकिन हर बात हर किसी से शेयर न करें।

वृश्चिक। आज का दिन आपके लिए सफलताओं की सौगात लेकर आएगा. कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की सराहना होगी. जो लोग नई नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें आज बड़ी सफलता मिल सकती है. जो लोग नई नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें आज बड़ी सफलता मिल सकती है. लेकिन छोटे-छोटे फायदे आपको संतुष्ट रखेंगे। पड़ोस में विवाद जैसी स्थिति बन सकती है, इसलिए शांत रहें।
करियर को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें।

धनु। आज का दिन कुछ प्रतिकूल रह सकता है. स्वास्थ्य और पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रहेगा. सहयोगियों की लापरवाही से व्यापार में कोई बड़ा अवसर या कार्य आपके हाथ से निकल सकता है. सहयोगियों की लापरवाही से व्यापार में कोई बड़ा अवसर या कार्य आपके हाथ से निकल सकता है. उसमें सफलता जरूर मिलेगी। जीवनसाथी को नई नौकरी मिलने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा। दान-पुण्य और धार्मिक कार्यों में मन लगेगा।

मकर। आज का दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है. किसी प्रियजन से अप्रिय समाचार मिलने से मन दुखी हो सकता है. लंबी यात्रा पर निकलने से पहले अपने वाहन की अच्छी तरह जाँच-परख कर लें. लंबी यात्रा पर निकलने से पहले अपने वाहन की अच्छी तरह जाँच-परख कर लें. पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुशी देगी और दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। लोन मिलने के योग हैं, लेकिन समय और पैसे दोनों का सही प्रबंधन जरूरी है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत होगी।

कुंभ। आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा. कानूनी पेचीदगियों में आपको विजय प्राप्त होगी. लंबे समय से रुके हुए कार्य आज सफलतापूर्वक पूरे होंगे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा. लंबे समय से रुके हुए कार्य आज सफलतापूर्वक पूरे होंगे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा. अनुभव का सही इस्तेमाल आपको आगे बढ़ाएगा। ससुराल पक्ष से कोई मिलने आ सकता है, लेकिन निजी बातें शेयर करने से बचें। छोटी यात्रा के योग हैं और जीवनसाथी से पारदर्शिता बनाए रखें।

मीन। आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है. किसी विशिष्ट व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी. माता-पिता के सहयोग से आप किसी बड़ी परियोजना या कार्य की रूपरेखा तैयार कर सकते हैं. माता-पिता के सहयोग से आप किसी बड़ी परियोजना या कार्य की रूपरेखा तैयार कर सकते हैं. जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। जरूरत पड़ने पर आर्थिक मदद भी मिल जाएगी। किसी समस्या का समाधान पाने के लिए अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। कोई बड़ा जोखिम न लें। आसपास के लोगों से तालमेल अच्छा रहेगा और राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है। नए घर से जुड़े काम की शुरुआत हो सकती है।

सरकार ने JSSC-CGL परीक्षा रद्द की,छात्र CBI जांच पर अड़ें

12 साल में हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की होगी जांच; पास उम्मीदवारों में नाराजगी, धरना दिया

रांची। **JPSC-JSSC** भर्ती परीक्षाओं में धांधली को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के 24वें दिन झारखंड सरकार ने बड़ा कदम उठाया। सरकार ने **JSSC-CGL** परीक्षा रद्द कर दी है। परीक्षा एजेंसी **TDPL** द्वारा ली गई सभी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की।

साथ ही साल 2014 से अब तक हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच कराने की घोषणा की गई। कैबिनेट की विशेष बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार रात यह घोषणा की।

सरकार के फैसले से आंदोलन कर रही छात्र खुश हैं, लेकिन **CBI** जांच की मांग पर अड़े हैं। इधर, भूख हड़ताल के 15वें दिन देवेंद्रनाथ महतो ने अपना अनशन तोड़ दिया है। सोनम वांगचुक ने देर रात छात्र नेता महतो से वीडियो कॉल पर बात की।

वहीं **JSSC-CGL** परीक्षा रद्द होने का पास कैंडिडेट्स विरोध कर रहे हैं। सीजीएल के सफल अभ्यर्थी प्रोजेक्ट भवन के बाहर जुट गए। अभ्यर्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर नियुक्ति रद्द करने के फैसले का विरोध किया।

कैबिनेट की विशेष बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार रात परीक्षा रद्द करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'जब ऑपरेशन हुआ है तो पूरे तरीके से होना चाहिए। पिछले कुछ दिनों से हमारे नौजवान जयपाल सिंह स्टेडियम में अलग-अलग खेमों में अपनी मांगों को लेकर बैठे हैं।

मैं उन्हें अलग-अलग खेमा नहीं मानता। पहले हमारे मंत्रियों ने उनके साथ बैठक की। सुझाव लिए। रिफॉर्म की बात आई। रिफॉर्म में निश्चित रूप से सरकार पारदर्शिता के साथ काम करेगी।

सीएमहेमंत सोरेन ने कहा-

SIT और **CID** दोनों की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। चूंकि जांच चल रही है, इसलिए हर बात खुले तौर पर बताना संभव नहीं है। इसमें कई कंपनियों का एक जटिल और आपस में जुड़ा हुआ नेटवर्क शामिल है, जिन्होंने अलग-अलग समय पर यहां काम किया है। 2014 से लेकर अब तक आयोजित सभी परीक्षाओं की जांच **CID** से कराई जाएगी।

सीएम ने कहा- युवाओं की सबसे बड़ी और अहम मांग **JPSC** सिविल सेवा परीक्षा से जुड़ी है। हम एक रिटायर्ड जज की देखरेख में इसकी पूरी जांच कराएंगे।

CM की घोषणा के बाद आंदोलन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जांच बहुत बारीकी से हो और इसमें शामिल हर भ्रष्ट व्यक्ति को पकड़ा जाए। इन गिरोहों के पीछे जो मास्टरमाइंड हैं, उनको पकड़ा जाए। वहीं छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया। मौके पर जेएलकेएम विधायक जयराम महतो उपस्थित थे। जयपाल सिंह स्टेडियम में प्रेम नायक व कुश महतो का अनशन तोड़वाया गया। इससे पहले सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की और उन्हें बधाई दी। सोनम वांगचुक ने छात्रों की उपलब्धि को सकारात्मक कदम बताते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह मेहनत और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। छात्र नेता रवीन्द्र पासवान ने कहा, 'सरकार ने हमसे अपील की ये आंदोलन और अनशन को खत्म करें, लेकिन जो हमारी मांगे **CBI** संबंधित हैं उस पर सरकार की अभी तक सहमति नहीं बन पाई है।

गुमला में आंगनबाड़ी सेविकाओं का प्रदर्शन, छह सूत्री मांगों को लेकर समाहरणालय पर दिया धरना

गुमला। आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ गुमला जिला के बैनर तले जिले भर की सेविकाओं और सहायिकाओं ने अपनी छह सूत्री मांगों के समर्थन में सोमवार को समाहरणालय परिसर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया।

इस दौरान चंदाली से कतारबद्ध होकर पहुंची सेविकाओं ने हाथों में तख्तियां थामकर सरकार विरोधी नारे लगाए और अपनी समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाया। ?धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनकी मांगों से संबंधित कई बार विभाग और सरकार को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण उन्हें आज सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ रहा है। ?प्रमुख मांगें: ? आंगनबाड़ी कर्मचारियों को मजदूर की श्रेणी में रखते हुए 30 हजार रुपए प्रतिमाह न्यूनतम मजदूरी दी जाए। ईपीएफ, ग्रेच्युटी, बोनस, पेंशन और चिकित्सा सुविधाओं का लाभ

सुनिश्चित किया जाए।

सेवानिवृत्ति के पश्चात सेविकाओं को 10 लाख और सहायिकाओं को 5 लाख रुपए एकमुश्त राशि दी जाए। ?कार्यकाल के दौरान निधन होने पर आश्रित बहू या बेटी की सीधी बहाली की जाए। ?महिला सुपरवाइजर के पदों पर आंगनबाड़ी सेविकाओं से ही शत-प्रतिशत बहाली हो और उम्र सीमा की बाध्यता समाप्त की जाए। ?नई शिक्षा नीति 2020 के तहत शैक्षणिक योग्यता व अनुभव के आधार पर सेविकाओं को शिक्षिका के पद पर नियुक्त किया जाए। ?प्रदर्शन के माध्यम से संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और अधिक तीव्र किया जाएगा। इस मौके पर जिलेभर से बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

छह खेलों में 1288 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

हजारीबाग। खेल और खिलाड़ियों को प्रमोट करने तथा उनमें उत्साह का संचार करने के उद्देश्य से हजारीबाग में पहली बार अद्भुत रोमांच से भरे उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय नॉक आउट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है।

उपायुक्त हेमंत सती की अगुवाई में 29, 30 और 31 अगस्त तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, चतरा, बोकारो, धनबाद और गिरिडीह के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। जिला प्रशासन द्वारा बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और पेयजल की व्यवस्था की गई है। इस प्रथम आयोजन में आर्चरी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, फुटबॉल और एथलेटिक्स छह खेलों को शामिल किया गया है। प्रतियोगिता में 1288 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन का प्रमुख आकर्षण साढ़े आठ लाख रुपये का नगद पुरस्कार है। इसके अलावा मेडल, शील्ड और प्रमाणपत्र देकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया जाएगा। कर्जन ग्राउंड का नाम स्वतंत्रता सेनानी वीर कुंवर सिंह स्टेडियम रखने की पहल की गई है। 25 अगस्त को ओलंपिक मशाल और बैंड के साथ प्रभातफेरी निकाली जाएगी। 29 अगस्त को भव्य उद्घाटन होगा, जिसमें कस्तूरबा की बच्चियों की प्रतिभा नजर आएगी। हर्ष अजमेरा ने बताया कि आयोजन में चेयरमैन डीसी हेमंत सती, उपाध्यक्ष मेयर, सचिव हर्ष अजमेरा, टेक्निकल सचिव जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, खबरों के लिए नीलेंदु जयपुरियार और सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए प्रहलाद सिंह को अधिकृत किया गया है।

फैंसी ड्रेस से दांडी मार्च तक... देशभक्ति के रंग में रंगा बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस का समारोह

गुमला। पालकोट रोड स्थित संध्या रानी ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के साथ हुई।

इसके बाद मुख्य अतिथि सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग गुमला के ललन कुमार रजक, विद्यालय प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद लाल, निदेशक संजय कुमार गुप्ता, प्रबंध समिति सदस्य यशवंत सिंह व शिवकुमार लाल और भारत विकास परिषद के जिलाध्यक्ष महेश प्रसाद ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद

विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। बेबी नर्सरी, नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के बच्चों ने आकर्षक फैंसी ड्रेस प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक परिधान और नृत्यों की प्रस्तुति देकर भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महात्मा गांधी के नमक कानून के विरोध में किए गए दांडी मार्च पर आधारित नृत्य-नाटक रहा। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन के इस महत्वपूर्ण प्रसंग को जीवंत कर दिया।

फीस से लेकर सफर तक का खर्च बेकार: सीजीएल नियुक्ति और 10 परीक्षाएं रद्द होने से सहमे युवा

रांची। झारखंड सरकार ने जेएसएससी नियुक्ति और विवादित एजेंसी टीडीपीएल के जरिए ली गई 10 परीक्षाएं रद्द कर दी है। इस गड़बड़ी की कीमत सिर्फ सरकारी सिस्टम को ही नहीं, बल्कि नौकरी की उम्मीद में सालों से तैयारी कर रहे लाखों युवाओं पर भी पड़ा है। इन परीक्षाओं में करीब 10 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए हैं।

आवेदन फीस से लेकर परीक्षा केंद्र तक आने-जाने और रहने पर ही इन अभ्यर्थियों के करीब 300 करोड़ रुपए पानी में डूब गए। यहीं नहीं, पैसे खर्च होने के साथ इनकी महीनों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई। अब एक बार फिर दोबारा परीक्षा की अनिश्चितता खड़ी हो गई है। एक अनुमान के अनुसार अगर 10 लाख परीक्षार्थियों का औसत आवेदन शुल्क 500 रुपए माना जाए तो केवल आवेदन करने में ही इनकी 50 करोड़ रुपए खर्च हो गए। फिर फीस से ज्यादा भारी परीक्षा केंद्र तक पहुंचने और रहने में पड़ा।

अभ्यर्थियों ने कहा कि कई परीक्षार्थियों को 300-400 किमी तक की यात्रा कर परीक्षा केंद्र पर पहुंचना पड़ा। दूरी होने के कारण उन्हें एक दिन पहले ही केंद्र पर पहुंचना पड़ा। ऐसे में एक अभ्यर्थी को यात्रा, भोजन और ठहरने पर औसतन 2500 रुपए खर्च करना पड़ा। इस तरह 10 लाख अभ्यर्थियों का अनुमानित खर्च 250 करोड़ रुपए होता है। ऐसे में आवेदन शुल्क जोड़ने पर यह खर्च करीब 300 करोड़ रुपए आता है। जो परीक्षा रद्द होने के कारण पानी में डूब गए।

अब अभ्यर्थियों का सबसे बड़ा दर्द यह है अब उन्हें फिर से परीक्षा देनी होगी। इसके लिए उन्हें दोबारा इतना ही खर्च उठाना पड़ेगा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह काफी मुश्किल काम होगा। अभ्यर्थियों का कहना है कि सिर्फ खर्च ही नहीं, सबसे बड़ा नुकसान उनकी तैयारी का हुआ। उन्होंने महीनों तक कड़ी मेहनत की। सब काम छोड़कर तैयारी में जुटे रहे। अब फिर पूरी प्रक्रिया दोहरानी होगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं में उम्र सीमा सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में परीक्षा में देरी से कई अभ्यर्थी अगली भर्ती परीक्षा में निर्धारित उम्र सीमा पार कर सकते हैं।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1	4							7
5	9			1			2	
3		6			8		4	1
4			9		5			
	6	5	4	8		1	9	3
2		9	7					4
								9
9			2					
6	5	4		9	3		1	2

पिछले अंक का उत्तर

4	7	6	5	3	2	8	1	9
2	5	8	1	4	9	7	3	6
1	9	3	7	6	8	4	2	5
6	4	7	8	2	5	1	9	3
5	1	9	3	7	6	2	8	4
3	8	2	9	1	4	5	6	7
9	2	4	6	8	7	3	5	1
7	6	1	2	5	3	9	4	8
8	3	5	4	9	1	6	7	2

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

जलाभिषेक के लिए 1400 फीट ऊंची पहाड़ी पर उमड़े भक्त

रामगढ़। पवित्र महीना सावन की तीसरी सोमवारी पर शिवालयों में हर हर महादेव के जयकारे गूंजे। वहीं, महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भगवान भोले नाथ पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। जबकि, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक किया गया। पूजन, आरती के बाद भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। सोमवार की प्रात: से ही तीसरी सोमवारी पर शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़ लगी रही है।

शिवालय में सभी भक्तों ने पूजन कर जलाभिषेक कर भगवान शिव की आराधना की। कैथा के प्राचीन शिव मंदिर में लोगों ने शिव का जलाभिषेक कर मत्था टेका। जबकि, कांकेबार के महामाया देवी मंदिर में भी आसपास के गांवों की महिलाएं व लोग भगवान शिव को जलाभिषेक करने पहुंचे। 1400 फीट की ऊंचाई पर महामाया देवी मंदिर के पहाड़ी क्षेत्र का वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो उठा। वहीं, शिवालयों में प्रात: जलाभिषेक, पूजन, आरती, संध्या में शिव का श्रृंगार, पूजन, रुद्राभिषेक, आरती की गई। वहीं, रात्रि में रुद्राभिषेक अनुष्ठान किया गया।

हॉकी वर्ल्डकप में इंग्लैंड ने भारत को 4-2 से हराया: निक बंडुराक ने पेनल्टी पर 2 गोल दागे, अब पाकिस्तान से जीतना जरूरी

एम्सटेलवीन। भारतीय टीम मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 4-2 से हार गई है। सोमवार को एम्सटेलवीन के वैगेनर स्टेडियम में भारत हाफ टाइम तक 2-1 से आगे था। लेकिन, दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने तीन गोल कर मैच पलट दिया।

इस हार के साथ वर्ल्डकप में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत का इंतजार 32 साल का हो गया। उसने आखिरी बार 1994 में इंग्लैंड को हराया था। इंडिया का अगला मैच 19 अगस्त को पाकिस्तान से होगा।

भारत ने तेज शुरुआत की। उसे छठे मिनट में गोल का मौका मिला, लेकिन जरमनप्रीत सिंह का शॉर्ट गोल पोस्ट के बाहर चला गया।

14वें मिनट में निकोलस बंडुराक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके इंग्लैंड को 1-0 से आगे कर दिया। उनका शॉर्ट इतना तेज था कि भारतीय गोलकीपर मोहित रिएक्ट तक नहीं कर सके।

शुरुआती 15 मिनट में पिछड़ने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने 17वें मिनट पर मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया।

24वें मिनट में हर्दिक और अभिषेक ने शानदार मूव बनाया। इस पर दिलप्रीत सिंह ने फील्ड गोल करके भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा।

39वें मिनट में स्टुअर्ट रशमेयर ने शानदार फ्लिक से डिफ्लेक्ट कर गोल कर दिया। यहां इंग्लैंड ने स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

44वें मिनट में रशमेयर ने गेंद हेनरी क्रॉफ्ट के पास पहुंचाई। क्रॉफ्ट ने जोरदार हिट लगाकर गोल पोस्ट के

निचले कोने में पहुंचा दिया। यहां इंग्लैंड 3-1 से आगे हो गया।

51वें मिनट में गोल का मौका मिला। लेकिन अभिषेक का शॉर्ट गोल पोस्ट के बेहद करीब से बाहर निकल गई।

54वें मिनट में बंडुराक ने इंग्लैंड को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। उन्होंने सुमित के पैर पर गेंद मारी। इस मौके पर बंडुराक ने गोल किया। उन्होंने पेनल्टी पर दूसरा गोल किया।

इंग्लैंड ने पूल-डी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम दो मैचों में दो जीत के साथ टॉप पर है। भारत के खाते में एक जीत और एक हार है।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत: हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, अभिषेक, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, मंदीप सिंह, सुमित, नीलकंठ शर्मा, लालगे आदित्य अर्जुन, शशिकुमार मोहिथ होन्नेनहल्ली, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुखजीत सिंह, यशदीप सिवाच, संजय, सूरज करकेरा (गोलकीपर), राजिंदर सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

इंग्लैंड: जैचरी वॉलेस (कप्तान), निकोलस पार्क, जैक वॉलर, थॉमस सॉर्सबी, हेनरी क्रॉफ्ट, सैम वार्ड, जेम्स अल्बरी, फिल रोपर, जेम्स मजारेजो (गोलकीपर), स्टुअर्ट रशमेयर, टिमोथी नर्स, डेविड गुडफील्ड, ऑलिवर पेन (गोलकीपर), निकोलस बंडुराक, जेम्स गॉल, लियाम सैनफोर्ड, कॉनर विलियमसन, विल कैलनन, सैमुअल हूपर, बेन फॉक्स।

मैच समाप्त, भारत 2-4 इंग्लैंड

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार खेल दिखाया और दो गोल करके बढ़त हासिल की, लेकिन दूसरे हाफ में इंग्लैंड पूरी तरह हावी रहा। इंग्लैंड ने तीसरे क्वार्टर में दो और चौथे क्वार्टर में एक गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस हार के बाद भारत के लिए अगले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ जीत जरूरी हो गई है, ताकि वह राउंड-2 के लिए सीधे क्वालिफाई कर सके। हालांकि, अगर वेल्स की टीम इंग्लैंड को नहीं हरा पाती है तो पाकिस्तान के खिलाफ ड्रॉ भी भारत के लिए पर्याप्त होगा।

54वें मिनट में बंडुराक ने इंग्लैंड को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। उन्होंने सुमित के पैर पर गेंद मारी। इस मौके पर बंडुराक ने गोल किया।

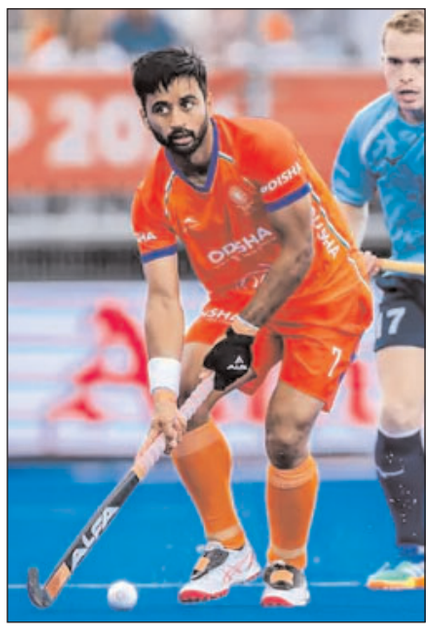

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा टूटा, 77,350 पर कारोबार; निफ्टी 100 अंक गिरा, रियल्टी-IT शेयरों में बिकवाली

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार, 18 अगस्त को कमजोरी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 77,350 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी भी करीब 100 अंक टूटकर 24,200 के स्तर पर आ गया है। बाजार में रियल्टी और **IT** शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी जा रही है। निवेशकों के सतर्क रुख के कारण प्रमुख इंडेक्स पर दबाव बना हुआ है।

मिल्की मिस्ट फूड डायरी की मजबूत लिस्टिंग

इस बीच मिल्की मिस्ट फूड डायरी के शेयर की बाजार में मजबूत शुरुआत हुई। कंपनी का शेयर **NSE** और **BSE** पर 18% प्रीमियम के साथ 165 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका **IPO** प्राइस 140 रुपए था। इस तरह **IPO** में शेयर पाने वाले निवेशकों को लिस्टिंग के समय ही करीब 25 रुपए प्रति शेयर का लाभ मिला। मजबूत लिस्टिंग से कंपनी के शेयर को लेकर बाजार में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट के **IPO** में निवेश का मंगलवार को दूसरा दिन है। दोनों इश्यू के लिए निवेशक 19 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। ललिता ज्वेलरी मार्ट **IPO** के जरिए 1,700 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है, जबकि होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स 2,600 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

आज सोने-चांदी के दाम में गिरावट: चांदी 1,920 गिरकर 2.34 लाख किलो पर आई, 10 ग्राम सोना 1.54 लाख का बिक रहा

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 18 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 1,920 रुपए गिरकर 2.34 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 5 रुपए कम होकर 1.54 लाख रुपए पर है।

इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

देहरादून- पहले दिन एशियन ओपन में भारत का दबदबा: 3 गोल्ड-3 सिल्वर समेत 8 मेडल जीते, मेडल टैली में चीन को भी पीछे छोड़ा

देहरादून में चल रही एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी 2026 के पहले दिन भारत ने सबसे ज्यादा 8 मेडल जीते। इनमें 3 गोल्ड, 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल हैं। चीन के खिलाड़ियों ने 3 और फिलीपींस ने 1 मेडल जीता। यानी पहले दिन मेडल जीतने वाले देशों में भारत सबसे आगे रहा।

पहले दिन चार रेस के फाइनल हुए, जिनमें भारत ने तीन गोल्ड जीते। जूनियर स्र गर्ल्स 333 मीटर और जूनियर श्र बॉयज 500 मीटर में भारतीय खिलाड़ियों ने तीनों मेडल अपने नाम किए। जूनियर स्र बॉयज 333 मीटर में भी भारत को गोल्ड और सिल्वर मिला।

आज से ही शुरू हुई यह चार दिवसीय प्रतियोगिता 20 अगस्त तक चलेगी। इसमें 14 देशों के 270 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अब अगले तीन दिनों में होने वाली रेस में भारत की नजर मेडल की संख्या और बढ़ाने पर होगी।

सीएम पुष्कर सिंह धामी के उद्घाटन के बाद सोमवार शाम 4 से 8 बजे तक हिमाद्री आइस रिंक में पहले दिन की रेस हुईं। पहले दिन भारत ने 3 गोल्ड समेत कुल 8 मेडल जीते। प्रतियोगिता का पहला दिन पूरा हो चुका है। 18 अगस्त को

दूसरे दिन के मुकाबले और अवॉर्ड सेरेमनी होगी। 19 अगस्त को तीसरे दिन की रेस के साथ पुरस्कार समारोह होगा। प्रतियोगिता को देखने के लिए खिलाड़ियों के परिवार भी देहरादून पहुंचे हैं। कई परिवार अपने बच्चों का मुकाबला देखने और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए रिंक में मौजूद हैं। इसके अलावा शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में रुचि रखने वाले खेल प्रेमी भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के मुकाबले देखने के लिए पहुंच रहे हैं। आम दर्शकों के लिए प्रतियोगिता की एंट्री निःशुल्क रखी गई है। यानी कोई भी खेल प्रेमी, परिवार या स्कूली बच्चा हिमाद्री आइस रिंक पहुंचकर मुकाबले देख सकता है।

डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने पर सजा: ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट ने 1,500 डॉलर का जुर्माना लगाया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में दोषी ठहराया गया है। सिडनी की वॉवेर्ली लोकल कोर्ट ने मंगलवार को उन पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना लगाया। साथ ही उनकी कार में 12 महीने के लिए इंटरलॉक डिवाइस लगाने का आदेश दिया गया है।

वॉर्नर को ईस्टर संडे के दिन सिडनी के बाहरी इलाके में रैंडम ब्रेथ टेस्टिंग के दौरान पकड़ा गया था। जांच में उनके ब्लड-अल्कोहल लेवल की रीडिंग 0.104 आई थी, जो कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा थी।

कोर्ट में वॉर्नर ने बताया कि उन्होंने गाड़ी चलाने से पहले तीन ग्लास व्हाइट वाइन पी थी। उन्होंने पिछले महीने मिड-रेंज ड्रिंक ड्राइविंग का आरोप स्वीकार कर लिया था।

कोर्ट में बताया गया कि वॉर्नर ने सड़क किनारे ब्रेथ टेस्टिंग साइट देखकर अपनी कार रोकी और एक महिला यात्री के साथ सीट बदलने की कोशिश की थी।

टेनिस स्टार सबालेंका के संघर्ष की कहानी: कभी टेनिस छोड़ने का बनाया मन, अब आर्यना सबालेंका की नज़र तीसरे यूएस ओपन पर

टाइम.न्यूयॉर्क। 'जब लोग मुझे टेनिस कोर्ट पर खेलते देखते हैं, तो उन्हें एक आक्रामक, तेज फोरहैंड वाली और कभी-कभी गुस्से में अपनी टीम पर चिल्लाने वाली खिलाड़ी दिखाई देती है। वे मुझे बेबाक और खुलकर बोलने वाली कहते हैं। पर, इस मुकाम तक पहुंचने के लिए मैंने कई मुश्किलें, दर्द और आंसुओं से भरी रातें झेली हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

मेरा बचपन बेलारूस के मिन्स्क में बीता। जब मैं छह साल की थी, तब मेरे पिता सर्गेई पहली बार मुझे टेनिस कोर्ट ले गए। वे खुद आइस हॉकी खिलाड़ी रहे थे, पर 19 साल की उम्र में एक कार दुर्घटना ने उनका करिअर खत्म कर दिया। इसलिए शायद वे मेरे भीतर चैंपियन देखते थे। बचपन से ही मेरा स्वभाव सबसे अलग था। जहां दूसरी लड़कियां कोच की हर बात मान लेती थीं, वहीं मैं अपनी

राय खुलकर रखती थी और बहस भी करती थी।

मेरी दुनिया टेनिस, पढ़ाई और प्रैक्टिस तक ही सीमित थी। सोशल मीडिया से कोई लेना-देना नहीं था। 2018 में, 20 वर्ष की उम्र में, मुझे डब्ल्यूटीए का 'न्यूकमर ऑफ द ईयर' चुना गया। मैंने कई बड़ी खिलाड़ियों को हराया। उसी दौरान मैंने और मेरे पिता ने सपना देखा था कि 25 साल की उम्र से पहले मैं कम से कम दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीतूंगी।

जिंदगी हमेशा हमारी योजनाओं के मुताबिक नहीं चलती। 2019 में मेनिनजाइटिस के कारण मेरे पिता का सिर्फ 43 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिता ही नहीं, बल्कि मेरे सबसे अच्छे दोस्त व मार्गदर्शक थे। उनके जाने से मैं पूरी तरह टूट गई। उन्हें श्रद्धांजलि देने की चाह में मैंने खुद पर ग्रैंड स्लैम जीतने का इतना दबाव बना लिया कि मेरा खेल व आत्मविश्वास दोनों प्रभावित होने लगे। तब मां ने मुझे कहा,'आर्यना, तुम्हारे पापा तुम्हारी हर उपलब्धि पर गर्व करते थे। तुम्हारा इस स्तर तक पहुंचना ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है।' मां की इन बातों ने दिल का बोझ कम कर दिया और आगे बढ़ने की ताकत दी। पर, चुनौतियां अभी बाकी थीं।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप-उन्नति जीती, अब लक्ष्य सेन उतरेंगे: डबल्स में 4 भारतीय जोड़ियां खेलेंगी; पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी भी जीत चुके

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रही **BWF** वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत की उन्नति हुड्डा ने जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। उन्होंने पहले राउंड में म्यांमार की थेत हमतार थुजार को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

उन्नति के मुकाबले के बाद आज भारत के 5 मुकाबले बाकी हैं। इनमें लक्ष्य सेन मेंस सिंगल्स में उतरेंगे। इसके अलावा भारत की टीमें विमेंस डबल्स में 2 और मिक्स्ड डबल्स में 2 मुकाबले खेलेंगी।

भारत ने टूर्नामेंट के पहले दिन अच्छी शुरुआत की थी। पीवी सिंधु, आयुष शेट्टी और डबल्स की तीन जोड़ियां अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले राउंड में पहुंच चुकी हैं।

लक्ष्य सेन राउंड ऑफ 64 में रोमानिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। टूर्नामेंट में लक्ष्य का

यह पहला मुकाबला होगा। लक्ष्य अटैकिंग गेम के दम पर जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगे।

विमेंस सिंगल्स में उन्नति हुड्डा का मुकाबला म्यांमार की थुजार थेट हार तिन से होगा। यह भी राउंड ऑफ 64 का मुकाबला है।

मिक्स्ड डबल्स में के राउंड ऑफ 64 में भारत की 2 जोड़ियां खेलेंगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे के सामने कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई होंगे।

वहीं दूसरे मुकाबले में अशिथ सूर्य और अमृता प्रमुथेश का मुकाबला तुर्किये के एम्रे सोनमेज और यासेमेन बेक्तास से होगा।

विमेंस डबल्स के दोनों मुकाबले राउंड ऑफ 32 में खेले जाएंगे। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी राउंड ऑफ 32 में बुल्गारिया की गैब्रिएला स्टोएवा और स्टेफानी स्टोएवा से भिड़ेगी।

दूसरे मैच में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेगी।

आयुष शेट्टी का पहले दिन बड़ा उलटफेर

भारत के लिए टूर्नामेंट का पहला दिन बेहद खास रहा। आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर-1 और डिफेंडिंग चैंपियन चीन के शी यू ची को 21-14, 13-21, 21-19 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। दोनों के बीच मुकाबला 73 मिनट चला। यह आयुष का पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप है।

सिंधु ने भी आसान जीत से शुरुआत की

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने पहले दिन सोफिया नोबल को 21-7, 21-11 से हराया। मुकाबला सिर्फ 29 मिनट चला। सिंधु अब कनाडा की वेन यू झांग के खिलाफ खेलेंगी।

भारत के लिए डबल्स में हरिहरन अम्साकरुणन-एमआर अर्जुन, ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद और कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी की जोड़ियों ने भी जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बनाई।

रायपुर के शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में पुलिस द्वारा 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। रायपुर के शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में पुलिस द्वारा 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ को साइबर क्राइम मुक्त बनाने के संकल्प के साथ, आज रायपुर स्थित शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में पुलिस अधिकारियों द्वारा छात्र-छात्राओं और इंटर्न्स के लिए एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे देश के सबसे अनोखे और इनोवेटिव 'साइबर जागृति अभियान' के तहत आयोजित किया गया।

प्रदेशवासियों को साइबर क्राइम के विरुद्ध सुरक्षित और जागरूक करने के उद्देश्य से, छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक पूरे प्रदेश में 07 सप्ताह का 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है।

अभियान के तय कार्यक्रम के अनुसार, पहले सप्ताह में डिजिटल सतर्कता और बुनियादी सुरक्षा के लिए स्कूल और कॉलेजों में अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दंत चिकित्सा महाविद्यालय के छात्रों और इंटर्न्स को पुलिस अधिकारियों द्वारा साइबर अपराधों के नए तरीकों, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव और बुनियादी साइबर सुरक्षा के विषय में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को इस अभियान की मुख्य थीम 'साइबर जागृति की एक सेल्फी' से जोड़ा गया।

जहां बारिश में टपकती थी छत, अब वहीं खिल रहे हैं बचपन के सपने

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ बच्चों के सुरक्षित और बेहतर भविष्य की नींव मजबूत हो रही है। इसी बदलाव की एक प्रेरक तस्वीर सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड के ग्राम पंचायत मसीरा में देखने को मिल रही है, जहां विकसित भारत जी-राम-जी योजना के माध्यम से निर्मित नए आंगनबाड़ी भवन ने नौनिहालों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और सीखने के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया है। कभी कच्चे मकान में संचालित होने वाला आंगनबाड़ी केंद्र अब पक्के भवन में बच्चों की खिलखिलाहट और सीखने की गतिविधियों से गुलजार है।

मसीरा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हीरामणी राजवाड़े बताती हैं कि पहले आंगनबाड़ी केंद्र कच्चे मकान में संचालित होता था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने के कारण बच्चों को बैठाने और शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने में परेशानी होती थी। इससे अभिभावकों को भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी।

आंगनबाड़ी केंद्र की इस समस्या को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने ग्राम पंचायत के सरपंच बुधराम सिंह के समक्ष नए आंगनबाड़ी भवन की आवश्यकता रखी। ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव तैयार कर प्रशासन को भेजा गया।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं एनजीओ प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक दिनेश सिंह ने केंद्रीय सिविल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन कार्यालय का किया उद्घाटन

कार्यालय भवन निर्माण हेतु सांसद बृजमोहन ने 5 लाख रुपये अनुदान की घोषणा की

रायपुर। केंद्रीय सिविल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के नए कार्यालय का गरिमामय उद्घाटन 16 अगस्त को रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक दिनेश सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री बृजमोहन अग्रवाल ने पेंशनर्स कल्याण एवं संगठन की गतिविधियों को गति देने के लिए एसोसिएशन के कार्यालय भवन निर्माण हेतु 5 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की सहर्ष घोषणा की। इस दौरान एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री दिनेश सिंह ने संगठन को भविष्य में हर संभव सहयोग एवं सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

समारोह में वार्ड क्रमांक 66 के पार्षद श्री कृष्णा सोनकर की विशेष गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान संगठन के सचिव एन. एस. समरथ ने एसोसिएशन की भावी योजनाओं एवं कार्ययोजनाओं को सभी के समक्ष विस्तार से रखा। तत्पश्चात संगठन के अध्यक्ष एस. पी. डोंगरे ने एसोसिएशन के भावी विस्तार एवं इसे आगे बढ़ाने की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक संदीप अग्रवाल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती पुष्पा पाटले, विशेष आमंत्रित सदस्य श्री अविरल सिंह, जिला संयोजक राहुल हरितवाल एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रिया सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. पी. डोंगरे, सचिव एन. एस. समरथ सहित सभी पदाधिकारी, सदस्य एवं उनके परिवारजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अध्यक्षीय संबोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

वर्षा ऋतु की मनोहारी छटा से सजेगा 'पावस प्रसंग', शास्त्रीय नृत्य-संगीत की प्रस्तुतियां 21 से 25 अगस्त तक

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कला, संस्कृति और शास्त्रीय परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'विभागीय आयोजन 2026' की श्रृंखला के अंतर्गत विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम 'पावस प्रसंग' का आयोजन किया जा रहा है। वर्षा ऋतु की सौंदर्यपूर्ण अनुभूतियों और भारतीय शास्त्रीय कला परंपरा को केंद्र में रखकर आयोजित यह कार्यक्रम 21, 22, 24 एवं 25 अगस्त को रायपुर के मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस में आयोजित होगा।

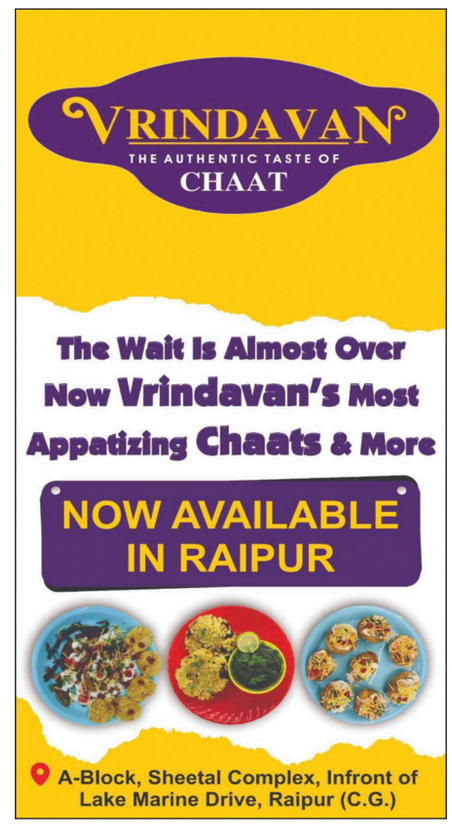

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684